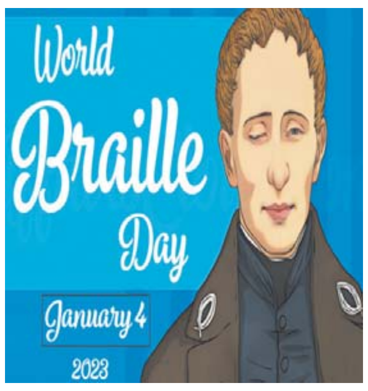

दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 159/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 4 जनवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

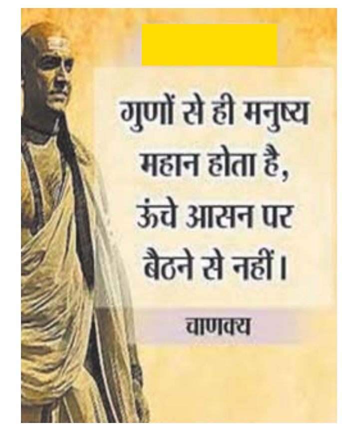

सांध्यप्रकाश विशेष

भारत का पहला अंतरिक्ष रोबोटिक आर्म, RRM_TD, POEM4 मिशन पर पहली बार प्रक्षेपित हुआ

भारत ने पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरीमेंटल मॉड्यूल (POEM4) पर अपनी पहली अंतरिक्ष रोबोटिक भुजा #RRM_TD की सफल तैनाती के साथ अंतरिक्ष रोबोटिक्स में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में मेक इन इंडिया पहल के लिए एक और गौरवपूर्ण क्षण है।

इसके सफल संचालन से उपग्रह सेवा, कक्षीय मलबे को हटाने और अन्य महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में भविष्य की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है। RRM_TD (रोबोटिक रिफ्यूलिंग मिशन - टेक्नोलॉजी डेमोस्ट्रेटर) अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों में भारत की बढ़ती विशेषज्ञता का प्रमाण है।

POEM4 पर इसकी तैनाती बाहरी अंतरिक्ष के चुनौतीपूर्ण वातावरण में सटीक संचालन करने में सक्षम जटिल रोबोटिक सिस्टम को डिजाइन और निष्पादित करने की इसरो की क्षमता को प्रदर्शित करती है।

RRM_TD की सफलता भारत के मेक इन इंडिया अभियान का एक शानदार उदाहरण है, जिसका उद्देश्य स्वदेशी नवाचार और विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देना है। यह मील का पत्थर वैश्विक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की बढ़ती उपस्थिति को उजागर करता है।

सीजीपीएससी घोटाले में पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेजा

रायपुर। सीजीपीएससी घोटाले में पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी को नहीं मिली राहत, सीबीआई कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेजा। इसी प्रकार बजरंग पॉवर इस्पात के डायरेक्टर श्रवण कुमार गोयल को भी राहत नहीं मिली। उन्हें भी सीबीआई कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेजा।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीबीआई) की 2021 राज्य सेवा भर्ती परीक्षा में कथित घोटाले के मामले में सीबीआई के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी और बजरंग पॉवर इस्पात के डायरेक्टर श्रवण कुमार गोयल जेल में बंद हैं। दोनों आरोपियों को आज शुक्रवार को सीबीआई की विशेष कोर्ट में पेश किया गया. जहां कोर्ट ने दोनों की 14 दिन की रिमांड बढ़ा दी है. बता दें कि सीबीआई ने दोनों को 18 नवंबर को गिरफ्तार किया था.सीबीआई जांच में यह सामने आया कि श्रवण कुमार गोयल, जो 'बजरंग पावर एवं इस्पात लिमिटेड' के निदेशक हैं. वह अपने बेटे शशांक गोयल और बहू भूमिका कटियार को डिप्टी कलेक्टर बनाने के लिए 45 लाख रुपये की रिश्वत दी थी. यह रिश्वत 20 और 25 लाख रुपये के दो किस्तों में ग्रामीण विकास समिति के माध्यम से की गई थी। शशांक गोयल और भूमिका कटियार कांग्रेस नेता सुधीर कटियार के दामाद और बेटी हैं. 2021 के सीजीपीएससी परिणाम में शशांक ने तीसरी रैंक और भूमिका ने चौथी रैंक हासिल की थी।

न्यूक्लियर साइंटिस्ट आर.चिदंबरम का 88 वर्ष की उम्र में निधन

भारत के न्यूक्लियर प्रोग्राम के मुख्य आर्किटेक्ट्स में से एक डॉ. आर. चिदंबरम का निधन हो गया है. वे एटॉमिक एनर्जी कमीशन के पूर्व अध्यक्ष रह चुके था. इनका निधन शनिवार सुबह मुंबई के एक

अस्पताल में निधन हुआ. वह 88 वर्ष के थे और कुछ समय से बीमार चल रहे थे।

डॉ. चिदंबरम उन चुनिंदा वैज्ञानिकों में शामिल थे, जिन्होंने भारत के दोनों परमाणु परीक्षणों- 1974 और 1998, में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. उन्होंने अमेरिका के साथ हुए सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट को पूरा करने में भी अहम भूमिका निभाई थी, जिससे भारत को इंटरनेशनल न्यूक्लियर कम्यूनिटी में फिर से जगह मिला.

डॉ. चिदंबरम का जन्म चेन्नई में हुआ था. उन्होंने बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइन्स से पीएचडी करने के बाद 1962 में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में काम करना शुरू किया. 1974 के न्यूक्लियर टेस्टिंग के डिजाइन और एग्जीक्यूशन में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्हें 1975 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1990 में चिदंबरम को बार्क का डायरेक्टर बनाया गया और 1993 में एटॉमिक एनर्जी कमिशन के अध्यक्ष बने. इस पद पर वे 2000 तक रहे. इस दौरान, 1998 में भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण किया, जिसमें चिदंबरम की भूमिका अहम रही।

भारत मंडपम में ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का शुभारम्भ

गांव का विकास: जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, हमने उन्हें पूजा है: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली के भारत मंडपम में ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का शुभारम्भ किया। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- मेरा ज्यादा समय गांव-देहात में गुजरा। मैंने परेशानियों को करीब से देखा है इसीलिए समस्याओं को हल करने का सपना देखा।

पहले हमारे देश के सीमावर्ती गांवों को लेकर सोच क्या थी। उन्हें देश का आखिरी गांव कहा जाता था। हमने ये सोच बदली। हमने बताया कि सूरज की पहली और आखरी किरण यहां पड़ती है। ये हमारे लिए प्रथम गांव हैं। इनके लिए वाइब्रेंट विलेज योजना शुरू की। जिन्हें किसी ने नहीं पूछा उन्हें मोदी ने पूजा है। ग्रामीण भारत महोत्सव 4 से 9 जनवरी तक चलेगा। महोत्सव की थीम विकसित भारत 2047 के लिए एक बेहतरीन ग्रामीण भारत का निर्माण रखी गई है।

पीएम ने कहा- आजादी के बाद से अबतक देश के लाखों गांव बुनियादी चीजों से वंचित रहे हैं। देश में सबसे ज्यादा एससी एसटी और ओबीसी कहां रहते हैं...गांव में। ये लोग गांव में ही गुजारा करते हैं। पहले की सरकारों ने इनकी जरूरतों पर ध्यान नहीं दिया। गांव से पलायन होता रहा। गरीबी बढ़ती रही। गांव शहर की खाई भी बढ़ती रही।

पीएम बोले- हम में से जो लोग गांव से हैं, पले बढ़े हैं। वो जानते हैं गांवों की ताकत क्या है। जो गांव में बसा है, गांव भी उसके भीतर बस जाता है। जो गांव में जिया है वो गांव में जीना भी जानता है। मेरा बचपन भी एक छोटे से कस्बे में बीता।मैंने बचपन से देखा है, लेकिन पूंजी की कमी के कारण उन्हें अवसर नहीं मिल पाते। मैंने देखा है गांव में विविधता से भरा सामर्थ्य होता है लेकिन वह मूलभूत समस्याओं में ही खप जाता है। कभी प्राकृतिक आपदा के कारण फसल नहीं होती ,इन परेशानियों को करीब से देखने के कारण ही गांव गरीब की समस्या हल करने का सपना देखा।

उन्होंने कहा कि हमने आदिवासी इलाकों के लिए पीएम जनमन योजना शुरू की। हम गांव के विकास से राष्ट्र के विकास के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसका ही फल है कि देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। इनमें बड़ी संख्या गांव के लोगों की है। एसबीआई की एक रिपोर्ट कहती है 2012 में गांवों में गरीबी 26 प्रतिशत थी। 2024 में भारत में गांवों में गरीबी घटकर 5 प्रतिशत से भी कम हो गई है।

अस्थिबाधित दिव्यांग जनों का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भोपाल के पत्रकार कालोनी के सामुदायिक भवन में अस्थिबाधित दिव्यांग जनों को निशुल्क ई-साइकिल वितरित की साथ ही सामाजिक न्याय विभाग के ब्रोशर का विमोचन भी किया।

पीथमपुर मामला: सीएम ने बुलाई बैठक

कचरा अभी डंप किया, तुरंत जलाने का फैसला नहीं: सीएम यादव

भोपाल। यूनियन कार्बाइड के रासायनिक कचरे के पीथमपुर में निष्पादन को लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट किया कि अभी केवल कचरा डंप किया गया है। तुरंत इसे जलाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

देश की विभिन्न संस्थाओं और सुप्रीम कोर्ट ने कचरे के निष्पादन के लिए पीथमपुर स्थित फैक्टरी को योग्य स्थान बताया है। विज्ञानियों की निगरानी में ही पूरी प्रक्रिया होगी। सबका जीवन बहुमूल्य है, कोई भी गलत कदम नहीं उठाएं। उन्होंने

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए जनता से आग्रह किया कि गलतफहमी और झूठी बातों से बचें। जनभावनाओं का आदर करते हुए उच्च न्यायालय के समक्ष समस्त परिस्थितियों एवं व्यावहारिक कठिनाइयों के बारे में अवगत कराया जाएगा।

सरकार किसी के जीवन को खतरे में नहीं डालना चाहेगी

डॉ. यादव ने कहा कि राज्य के अंदर किसी भी प्रकार से किसी नागरिक के जीवन में कोई कष्ट आए, सरकार ऐसा कभी नहीं चाहेगी। सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट के माध्यम से यूनियन कार्बाइड के कचरे का निस्तारण करने के लिए जो जगह बताई गई है, उसके अनुसार वह योग्य स्थान है।

खनौरी बॉर्डर पर महापंचायत, किसानों की बस की ट्रक से टक्कर, कई घायल

नई दिल्ली। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर आज आंदोलनकारी किसानों की महापंचायत होगी। यहां किसान नेता जगजीत डल्लेवाल 40 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने देशभर के किसानों से बातचीत के लिए खनौरी बॉर्डर पर पहुंचने की अपील की थी। डल्लेवाल मंच पर आकर किसानों को संबोधित भी करेंगे। थोड़ी देर में डल्लेवाल को मंच पर लाया जाएगा।

इसी बीच बरनाला-मोगा नेशनल हाईवे पर जेल के पास किसानों से भरी बस की ट्रक से टक्कर हो गई। यह बस मरणव्रत पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह के गांव डल्लेवाल से आई थी, जो खनौरी बॉर्डर पर किसान महापंचायत के लिए जा रही थी। कई किसान गंभीर घायल हुए हैं। उन्हें बरनाला के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी ओर किसानों की महापंचायत को देखते हुए हरियाणा पुलिस अलर्ट है। बॉर्डर पर महापंचायत में जाने वालों को रोका जा रहा है। इसके साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले कैमरे लगाए गए हैं, जो फेस रीड कर सकते हैं। इसके साथ रोडवेज और पुलिस की करीब 20 बसें खड़ी हैं। 5 एंबुलेंस और व्रज वाहन भी यहां तैनात किए गए हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में वर्चुअली राज्यों के केंद्रीय मंत्रियों की बैठक ली और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

महाकुंभ: 5.51 करोड़ रुद्राक्ष, 11,000 त्रिशूल से होगा द्वादश ज्योतिर्लिंग का भव्य श्रृंगार

प्रयागराज के मेला क्षेत्र के सेक्टर-छह स्थित बजरंगदास मार्ग पर मौनी बाबा का भव्य शिविर तैयार हो रहा है। यहां 5.51 करोड़ रुद्राक्ष और 11,000 त्रिशूल से द्वादश ज्योतिर्लिंग का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। इसके साथ ही 108 हवन कुंड में 125 करोड़ आहुति और 11 करोड़ वैदिक मंत्र से संगम नगरी गुंजायमान होगी। गौरीगंज, अमेठी से आए बाल ब्रह्मचारी स्वामी अभय चैतन्य फलाहारी उर्फ मौनी बाबा महाराज बताते हैं, महाकुंभ भव्य और आस्था से परिपूर्ण हो, इस संकल्प के साथ 10,000 गांवों की पैदल यात्रा करके यहां आए हैं।

क्यों लगातार कम हो रहा है विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले कुछ हफ्तों से लगातार गिर रहा है। 27 दिसंबर 2023 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 4.11 अरब डॉलर घटकर 640.28 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो कि करीब 8 महीने का न्यूनतम स्तर है। यह चौथा लगातार सप्ताह है जब भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखी गई है। 27 सितंबर 2023 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 705 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर था। लेकिन उसके बाद से इसमें लगातार कमी देखने को मिल रही है। इस दौरान विशेष रूप से विदेशी करेंसी एसेट्स में गिरावट आई है, जो 551.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

लापता पत्रकार का मिला शव, पुलिस जांच में जुटी, पत्रकारों ने किया चक्का जाम

तीन आरोपी गिरफ्तार

बीजापुर। बीजापुर जिले के लापता पत्रकार मुकेश चंद्राकर का शव सेप्टिक टैंक में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव की पहचान चट्टानपारा इलाके में हुई, जो उनके घर से महज 2 किमी और बीजापुर थाने से करीब 5 किमी की दूरी पर स्थित है। शव मिलने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले को जांच में लिया है। बीजापुर में हुई इस हत्या के बाद पत्रकारों में आक्रोश है। उन्होंने बीजापुर नेशनल हाइवे-63 पर 4 घंटे तक चक्काजाम किया।

बीजापुर-बीजापुर के स्थानीय पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के बाद बस्तर के पत्रकारों का गुस्सा फूट पड़ा है। पत्रकारों ने अपनी मांगों को लेकर बीजापुर में नेशनल हाइवे पर चक्काजाम कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पत्रकारों की मांग है कि हत्या के आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी हो, ताकि न्याय मिल सके। मुकेश चंद्राकर के अंतिम संस्कार से पहले पत्रकार अपने अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। चक्काजाम में बड़ी संख्या में पत्रकार और उनके समर्थक शामिल हुए, और पुलिस बल भी मौके पर तैनात किया गया।

पत्रकारों ने अपनी मांगों में कहा कि बीजापुर और बस्तर संभाग में ठेकेदार सुरेश चंद्राकर की सभी संपत्तियां जब्त की जाएं और सरकारी संपत्ति घोषित की जाए। इसके अलावा, उन्होंने हत्याकांड में संलिप्त सुरेश चंद्राकर, रितेश चंद्राकर और अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत स्नढ्ढक्रदर्ज करने की भी मांग की। पत्रकारों ने यह भी कहा कि सुरेश चंद्राकर को फांसी की सजा दी

जाए, उनकी सुरक्षा में तैनात जवानों को हटाया जाए, और उनके सभी सरकारी टेंडर रद्द किए जाएं।

इसके अलावा, सुरेश चंद्राकर के अवैध यार्ड (बाड़ा) को तत्काल नष्ट करने, उनके गाड़ियों को राजसात करने, और गंगालूर रोड पर स्थित उनके प्लांट को सील करने की भी मांग की गई। इसके साथ ही पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक बीजापुर, जितेंद्र सिंह यादव को तत्काल सस्पेंड या तबादला करने की मांग की, और साथ ही युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर को शहीद का दर्जा देने की मांग की। पत्रकारों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे 5 जनवरी से बीजापुर में अनिश्चितकालीन चक्काजाम करेंगे।

बता दें कि मृतक मुकेश चंद्राकर 1 जनवरी की शाम को टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए घर से बाहर निकला था। कुछ समय बाद उनका फोन स्विच ऑफ हो गया और रात तक घर वापस नहीं लौटा। मृतक के भाई युकेश चंद्राकर ने आसपास के घरों और शहर के विभिन्न स्थानों पर उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद युकेश ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मुकेश की गुमशुदगी के मामले में तुरंत कार्रवाई शुरू की थी।

आईजी सुंददराज पी ने स्थिति स्पष्ट होने तक जांच को तेज करने का आश्वासन दिया था। वहीं एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की गई थी और एक टीम को दिल्ली रवाना किया गया था। मुकेश की मौत के बाद पत्रकारों में आक्रोश है और घटना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। पत्रकारों का कहना है कि यह घटना पत्रकारों के खिलाफ बढ़ते हुए हमलों और असुरक्षा की स्थितियों का एक कड़ा उदाहरण है। पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले में पुलिस ने कांग्रेस नेता और ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के दो भाई रितेश चंद्राकर और दिनेश चंद्राकर सहित एक मजदूर को गिरफ्तार किया है।

मुकेश की निर्ममता से हत्या करने के लिए उसके सर पर कुल्हाड़ी या धारदार हथियार से वार किया गया था। नक्सली भी इसी तरीके से हत्या करते हैं। संभवतः हत्या के बाद किसी जंगल में शव फेंक कर नक्सली घटना बताने का प्रयास था, लेकिन भीड़भाड़ वाला क्षेत्र होने से शव निकाल नहीं पाए। इसलिए सेप्टिक टैंक में शव डाल कर ढलाई कर दी गई।

सरकार को आर्थिक सहायता, नौकरी पर भी निर्णय लेना चाहिए- भूपेश

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने फेसबुक पर लिखा कि, मुझे आज भी वो दिन याद है, जब नक्सलियों के कब्जे से कोबरा बटालियन के जवान राकेश्वर सिंह मन्हास को नक्सलियों के चंगुल से रिहा कराने वाली मध्यस्थ टीम मुख्यमंत्री निवास रायपर में मुझसे भेंट करने आई थी। साहसी पत्रकार मुकेश चंद्राकर उस मध्यस्थ टीम के प्रमुख सदस्य थे। उनके साहस के लिए मैंने उनकी पीठ थपथपाई थी। मुकेश के साथ जो हुआ है, वो बेहद दुर्भाग्यजनक है। सिर्फ शब्दों से निंदा कर देने से क्षति और असुरक्षा का समाधान नहीं हो सकता। ना ही इस विषय पर कोई राजनीतिक टिप्पणी करना चाहूंगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में पश्चिम क्षेत्र इंटर विश्वविद्यालय महिला शतरंज टूर्नामेंट का किया शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि शिक्षा और स्वास्थ्य का स्तर ऊंचा उठाकर ही देश को तरक्की के पथ पर आगे बढ़ाया जा सकता है। खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, खेलों में सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के आत्मविश्वास और कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के तत्वावधान में पश्चिम क्षेत्र इंटर यूनिवर्सिटी (महिला) शतरंज टूर्नामेंट (2024-2025) का सैम यूनिवर्सिटी परिसर भोपाल में माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। टूर्नामेंट में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित 60 विश्वविद्यालयों की 255 महिला खिलाड़ी सहभागिता करेंगी। सैम समूह के अध्यक्ष डॉ. हरप्रीत सिंह सलूजा, कुलपति डॉ. एन. के. तिवारी सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। डॉ. तिवारी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी।

कुक्कुट विकास निगम के संविदा कर्मचारियों को हक दिलाने धरने पर बैठे उनके बच्चे

भोपाल । कुक्कुट विकास निगम के संविदा कर्मचारी तीन दिन से हड़ताल पर है और अपने पत्नि बच्चो साहित कुक्कुट विकास निगम मुख्यालय के सामने धरने पर बैठे है, आज उन्होंने मानव श्रंखला बनाकर मुख्यमंत्री से 19 जुलाई को संचालक मंडल की बैठक में लिए गए निर्णय का आदेश जारी करवाने के लिए कुकूट विकास निगम मुख्यालय के सामने मानव श्रंखला बनाई। संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर का कहना हे कि कुक्कुट विकास निगम की संचालक मंडल की बैठक में 6 महीने पहले निर्णय लिया गया था,जिसमें संविदा कर्मचारियों को समान्य प्रशासन विभाग की संविदा 22 जुलाई 2023 नियमित कर्मचारियों के समान वेतन और भत्ते लिए जानें का निर्णय लिया गया था। 6 माह पहले लिए गए निर्णय का आदेश जारी नही किया गया अनेकों बार इस संबन्ध मे ज्ञापन भी दिया गया लेकिन कार्यालय ने अभी तक आदेश जारी नहीं किए जिसके कारण कुकूट विकास निगम के संविदा कर्मचारियों को हड़ताल पर पत्नी बच्चो सहित बैठना पड़ा है। हड़ताल के कारण कुकूट विकास निगम का काम काज ठप्प है ।

सीएमएचओ ने किया औचक निरीक्षण

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलार और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रातीबड़ के स्टाफ का एक दिन का वेतन कटा

भोपाल । राजधानी की शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में मरीजों को दी जा रही सेवाओं की जांच के लिए सीएमएचओ भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी द्वारा जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें चिकित्सकों एवं स्टाफ की निर्धारित समय पर उपस्थिति एवं सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान विलंब से आने, कर्तव्य के प्रति उदासीनता और अनुशासनहीनता बरतने पर एक दिन की वेतन कटौती कर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलार में प्रशासकीय अनुशासनहीनता को देखते हुए संस्था में पदस्थ सभी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटा गया है। साथ ही संस्था प्रभारी डॉ रश्मि वर्मा को प्रशासकीय प्रबंधन में विफलता के लिए नोटिस दिया गया है। सी एम एच ओ द्वारा ऐसी ही कार्यवाही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रातीबड़ में भी की गई है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुनगा एवं फंदा में पूरा स्टाफ निर्धारित समय पर काम करता मिला। निरीक्षण में संस्था के समय पर खुलने, स्टाफ की उपस्थिति, दवाइयां की उपलब्धता, निशुल्क पैथोलॉजी जांचें, रिकॉर्ड कीपिंग, आउटरीच गतिविधियों, योजनाओं के क्रियान्वयन, साफ सफाई की स्थिति देखी गई। जनकल्याण अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग से संबंधित सेवाओं की स्थति की जानकारी ली गई एवं मरीजों एवं परिजनों से बात कर फीडबैक भी लिया गया।

भील समुदाय की युवा चित्रकार रीता भूरिया के चित्रों की प्रदर्शनी

जनजातीय संग्रहालय में 57वीं शलाका जनजातीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय द्वारा प्रदेश के जनजातीय चित्रकारों के लिए चित्र प्रदर्शनी और चित्रों की बिक्री के लिये सार्थक मंच उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रतिमाह लिखन्दरा प्रदर्शनी दीर्घा में किसी एक जनजातीय चित्रकार की प्रदर्शनी सह विक्रय का संयोजन %शलाका% नाम से किया जाता है। इसी क्रम में 3 जनवरी, 2025 से भील समुदाय की युवा चित्रकार सुश्री रीता भूरिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है। प्रदर्शनी 30 जनवरी, 2025 (मंगलवार से रविवार) तक निरंतर रहेगी।

युवा भीली चित्रकार रीता भूरिया: युवा भीली चित्रकार सुश्री रीता भूरिया का जन्म भोपाल (मध्यप्रदेश) में हुआ। पिता श्री विजय भूरिया निजी क्षेत्र में नौकरी करते हैं एवं माता श्रीमती शांता भूरिया भी भीली चित्रकला में जाना-पहचाना नाम हैं। वे प्रख्यात भीली चित्रकार पद्मश्री श्रीमती भूरीबाई की नातिन हैं। उन्हें चित्रकला का हुनर विरासत में मिला है। सुश्री रीता ने विज्ञान विषय में स्नातक तक की शिक्षा हासिल की है। उन्हें चित्रकला का शौक बचपन से ही रहा है। उन्होंने बैंगलोर, नई दिल्ली, लखनऊ आदि शहरों में आयोजित कुछेक एकल एवं संयुक्त चित्रकला प्रदर्शनियों में भाग लिया है। उनके चित्रों में जंगली पशु-पक्षी और प्रकृति विशेष तौर पर दृष्टव्य होते हैं। वे अपनी सफलता का सम्पूर्ण श्रेय अपनी कला-गुरु अर्थात् अपनी नानी श्रीमती भूरीबाई को देती हैं।

टीपी परमिट बंद कर देने से बसों पर काम करने वालों की रोजी रोटी कैसे चलेगी: मिश्रा

भोपाल ।मध्यप्रदेश परिवहन विभाग ने उच्च न्यायालय द्वारा एक मामले में की गई टिप्पणी कि टी.पी.परमिट भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं को आधार मानकर टी.पी.परमिट देना ही बंद कर दिया है।

मध्यप्रदेश शासन के परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये मध्यप्रदेश ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन इंटक के प्रदेश महासचिव प्रवेश मिश्रा ने कहा है कि मध्यप्रदेश परिवहन विभाग का टी.पी.परमिट रोकने का आदेश ठीक उसी प्रकार है जैसे बीमारी ठीक करने के वजाय वीमार को ही खत्म करदेना! शासन को चाहिये था कि परमिट प्रक्रिया में पार्दर्शिता लाते न कि परमिट देना बंद करते। फेडरेशन महासचिव ने कहा कि स्थाई परमिट देने वर्षों से सक्षम अधिकारी नहीं हैं और टी.पी.देने पर रोक लगा दी इस रोक से खड़ी हुई वसों के स्टाफ जो एक वस पर तीन की संख्या में होते हैं की रोजी रोटी कैसे चलेगी? खड़ी हुई वसों के फायनेंस की ई.एम.आई.वस मालिक कहां से देगा? उसकी वस फायनेंसर द्वारा जप्त कर ली जायेगी! महासचिव मिश्रा ने आगे कहा कि सरकार वस संचालक को गलत ढंग से वस चलाने पर विवस कर रही है!यदि कोई वस संचालक मजवूरन विना परमिट या परमिट की शर्तों का उलंघन कर वस चलाता है तो वह उसके स्वयं के,स्टाफ के एवं यात्रियों के जीवन के साथ खिलवाड़ होगा! फेडरेशन महासचिव ने आगे कहा कि यदि टी.पी.परमिट पर संचालित वस परमिट अभाव में खड़ी होती है तो तो वस की वकाया ई एम आई तथा होने वालि क्षति पूर्ति के लिये सरकार एवं संवंधित क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जवाव देह होंगे! मिश्रा ने कहा कि हम सरकार के इस आदेश को न्यायालय में भी चुनौती देकर क्षतिपूर्ति की मांग करेंगे! फेडरेशन महासचिव ने दोहराया कि सरकार विवादित आदेश वापस ले तथा अस्थाई परमिट प्रक्रिया पार्दर्शिता के साथ पुन: बहाल करे।

सावित्रीबाई फुले जयंती के अवसर पर संस्था ने किया सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। महिलाओं के उत्थान को समर्पित संगठन महिला उन्नति संस्था द्वारा संगठन की आदर्श सावित्रीबाई फुले की जयंती पर देश प्रदेश में संगठन की विभिन्न इकाइयों द्वारा शिक्षिकाओं को सावित्रीबाई फुले सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष तनु जैन द्वारा पी.एम.श्री केंद्रीय विद्यालय विदिशा की प्रधानाचार्या गीता भदौरिया को समस्त अध्यापकगण एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में 'सावित्रीबाई फुले सम्मान' से सम्मानित किया गया। इसके बाद एक निबंध प्रतियोगिता रखी गई जिसका विषय आज के भारत में महिलाओं की स्थिति पर था। जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता में एंजल मसीह प्रथम हर्षिता गुप्ता द्वितीय तथा आयशा मीना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चयनित विद्यार्थियों को महिला उन्नति संगठन की ओर से शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

अद्वैत वेदान्त दर्शन के अध्ययन के लिए इस वर्ष 20 शिविर

18 से 40 वर्ष तक के युवा 10 आचार्यों के दिव्य सान्निध्य में कर सकेंगे अध्ययन

भोपाल। आचार्य शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन और शिक्षाओं से युवाओं को परिष्कृत और सुसंस्कृत बनाने के लिए आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास वर्ष-2025 में 20 अद्वैत जागरण युवा शिविर आयोजित करेगा। 10 आचार्यों की दिव्य सान्निध्य में देश-विदेश के 18 वर्ष से 40 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभाशाली युवा अद्वैत वेदान्त अध्ययन कर सकेंगे। शिविर में शामिल होने के लिए इच्छुक युवा www.oneness.org.in पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं।

वर्ष-2025 का प्रथम शिविर 17 से 26 जनवरी तक आयोजित होगा। इसमें चिन्मय गार्डन, कोयम्बटूर, तमिलनाडु की स्वामिनी विमलानंद सरस्वती मनीषा पंचकम के माध्यम से युवाओं को अद्वैत से जोड़ेंगी। इसके बाद 1 से 10 फरवरी एवं 1 अगस्त से 10 अगस्त तक आर्ष विद्या गुरुकुलम्, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में स्वामी परमात्मानंद सरस्वती तत्वबोध पर, 8 से 17 फरवरी तक श्री श्री ओंकारेश्वर आश्रम, मध्यप्रदेश में स्वामी प्रबुद्धानंद सरस्वती तत्वबोध पर, 15 से 24 फरवरी एवं 22 जून से 1 जुलाई तक अद्वैत आश्रम, मायावती, उत्तराखंड में स्वामी शुद्धिदानंद विवेक चूड़ामणि पर, 01 से 10 अप्रैल तक चिन्मय तपोवन, सिद्धबाड़ी, हिमाचल प्रदेश में स्वामी मित्रानंद सरस्वती, साधना पंचकम् पर, 4 से 13 अप्रैल एवं 21 से 30 मई तक तपोवन कुटी, उत्तरकाशी, उत्तराखंड में स्वामी हरिब्रह्मेद्रानंद तीर्थ तत्वबोध पर, 14 से 23 जुलाई तक चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन, केरल में स्वामी स्वात्मानंद सरस्वती साधना पंचकम पर युवाओं को अद्वैत वेदान्त का अध्ययन कराएंगे। युवाओं को 12 से 21 अगस्त एवं 23 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चिन्मय गार्डन, कोयम्बटूर, तमिलनाडु की स्वामिनी विमलानंद सरस्वती मनीषा पंचकम पर 27 अगस्त से 5 सितंबर एवं 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चिन्मय विभूति, पुणे, (महाराष्ट्र) में स्वामी अद्वैतानंद सरस्वती तत्वबोध पर व्याख्यान देंगे।

मेकअप आर्टिस्ट और हेयर ड्रेसर को प्रशस्ति पत्र देकर किया समानित

भोपाल। मिस एंड मिसेज़ सेंट्रल इंडिया सिल्वर कैटेगरी की विजेता प्रियेषा दुबे और मिसेज़ इंटरनेशनल क्वीन ऑफ इंडिया ने आज ओरायन इंटरनेशनल, भोपाल का दौरा किया। उन्होंने उन सभी प्रतिभाशाली ट्रेनर्स और स्टूडेंट्स को प्रमाण पत्र प्रदान किए, जिन्होंने 21 दिसंबर को रेडिसन होटल, भोपाल में आयोजित मिस एंड मिसेज़ सेंट्रल इंडिया ग्रैंड फिनाले में प्रतिभागी ब्यूटी क्वीन्स का हेयर और मेकअप किया था।

यह एक गर्व का क्षण रहा, जब हमारे स्थानीय टैलेंट को उनकी मेहनत और उत्कृष्टता के लिए सराहा गया। ओरायन इंटरनेशनल का यह प्रयास प्रशंसनीय है, जो न केवल सौंदर्य क्षेत्र में बल्कि प्रोफेशनल ग्रूमिंग में भी युवाओं को सशक्त बना रहा है।

प्रदेश के अलग-अलग शहरों से 36 नाविकों की टीम ले रही भाग

बड़े तालाब में बोट रेस का आयोजन, विजेता को मिलेगी टीवीएस राईडर बाईक

संत हिरदाराम नगर। हर साल की तरह इस साल भी राजधानी भोपाल में नाविकों में बड़ा जबरदस्त उत्साह है। संत नगर में स्वर्गीय कन्छेदीलाल केवट की स्मृति में प्रतिवर्ष होने वाले विधायक बोट रेस का आयोजन 4 जनवरी को सुबह 10 बजे बड़े तालाब किनारे पुराने विर्सजन घाट, बेहटागांव में होगा। इस आयोजन में मध्यप्रदेश से अलग-अलग जगहों से 36 नाविकों की टीम भाग ले रही है। इसको लेकर तैयारियों पूरी कर ली गई है। बोट रेस के आयोजक रोहन रामू केवट ने बताया कि आयोजन में मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा उपस्थित रहेंगे। इस आयोजन में सीनियर बोट रेस में प्रथम पुरूस्कार के रूप में टी.वी.एस. राईडर बाईक एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप में 21,000 रूपए नगद एवं तृतीय पुरूस्कार के रूप में 11,000 हजार रूपए का नगद पुरस्कार रखा गया हैं। कश्ती रेस में प्रथम पुरूस्कार के रूप में टी.वी.एस. राईडर बाईक एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप में 21,000 हजार रूपए नगद एवं तृतीय पुरूस्कार के रूप में 11,000 रूपये का नगद पुरस्कार रखा गया हैं। जूनियर बोट रेस में प्रथम पुरूस्कार के रूप में 21,000 रूपए नगद, द्वितीय पुरूस्कार के रूप में 11,000 एवं तृतीय पुरूस्कार के रूप 5,100 रूपए नगद पुरस्कार रखा गया हैं।

सेवा भारती मध्यभारत द्वारा आयोजित बालिका खो-खो प्रतियोगिता में साकेत मंडल विजय

भोपाल। सेवा भारती के किशोरी विकास आयाम के अंतर्गत अंकुर खेल परिसर में खो- खो प्रतियोगिता आयोजित में मंडल स्तर पर चयनित 6 टीमों ने आज महानगर स्तर पर उत्साह के साथ भाग लिया अलग-अलग रंगों की टीशर्ट पहनकर अति उत्साह से किशोरियों ने टीम भावना के साथ मैदान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।सेवा भारती द्वारा भोपाल में खो-खो का यह पहली बार ऐसा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती मालती राय महापौर,सुरेंद्र सिंह सोलंकी मध्य भारत प्रांत संगठन मंत्री, डॉ वंदना श्रीवास्तव क्रीड़ा अधिकारी हमीदिया महाविद्यालय,श्रीमती पायल मोदी डायरेक्टर गायत्री फूड लिमिटेड,श्रीमती श्रद्धा चतुर्वेदी साइबर सिक्योरिटी अधिकारी दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया अपने उद्बोधन में प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने खो-खो के माध्यम से वर्तमान पीढ़ी से परिचित कराना सेवा भारती का मुख्य उद्देश्य बताया श्रीमती कमलेश सिंह जी (महानगर निवेदिता आयाम प्रमुख) ने अपने उद्बोधन में निवेदिता भारती आयाम का परिचय देकर खेलों का महत्व बताया सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया साकेत मंडल को प्रथम स्थान, सुभाष मंडल को द्वितीय और महावीर मंडल की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ निर्णायकों ने तीन प्रतिभागियों को भी चयनित किया जो थे 1.बेस्ट ऑलराउंडर प्रीति (साकेत मंडल) 2.सपना बेस्ट अटैकर (सुभाष मंडल) तथा 3.तनीषा बेस्ट डिफेंडर (महावीर मंडल) को व्यक्तिगत ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया। बालिकाओं को पुरस्कार प्रांत अध्यक्ष डॉ पी.एस बिंद्रा,महानगर अध्यक्ष शिवमंगल सिंह,कल्पना तिवारी जी (टेनिस कोच टीटी नगर स्टेडियम), स्मिता खांडेकर जी (नेशनल प्लेयर गोल्ड मेडलिस्ट तथा महानगर निवेदिता आयाम सहप्रमुख) कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती आराधना गुप्ता तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती गीतांजलि शुक्ला द्वारा किया गया कार्यक्रम में संभाग संयोजक करण सिंह कौशिक, पायल मोदी,सुनीता सूर्यवंशी, पायल सेठ,नेहा सीठा, कु. सिमरन चंद आदि उपस्थित थे

विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष के चयन के लिए राज्य शासन द्वारा उच्च स्तरीय समिति का गठन

भोपाल। राज्य शासन ऊर्जा विभाग ने विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष के चयन के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश न्यायमूर्ति रूपेश चंद्र वार्ष्णेय इसके अध्यक्ष बनाए गए हैं। समिति में मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष सदस्य के रूप में रहेंगे। ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई के हस्ताक्षर से जारी इस आदेश में बताया गया है कि यह समिति अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार गठित की गई है।

नए साल में इस दिन आएगी लाड़ली बहना योजना की 20वीं किस्त

भोपाल। मध्य प्रदेश की लड़ली बहनों के लिए साल 2025 उम्मीदों से भरा है। बीते दिनों पेश किए गए सप्लीमेंट्री बजट में लाड़ली बहना योजना के लिए 465 करोड़ और लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए 85 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह राशि मुख्य बजट के अतिरिक्त है। इसका मतलब है कि लाड़ली बहना योजना आने वाले समय में भी जारी रहेगी।

कब आएगी अगली किस्त?

पिछले कुछ महीनों से महीने की 10 तारीख के आस पास ही महिलाओं के खातों में किस्त की रकम आ रही है। खबरों की मानें तो इस बार मोहन सरकार महीने की 10 तारीख से पहले महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफर कर सकती है। हालांकि, इस बार भी राशि में कोई बदलाव नहीं होगा और हर बहन को 1250 रुपए ही दिए जाएंगे। महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने विधानसभा सत्र में स्पष्ट किया कि मासिक राशि में फिलहाल कोई वृद्धि नहीं की जाएगी।

3.75 लाख करोड़ रुपए का कर्ज

आपको बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार ने नए साल 2025 की शुरुआत एक बड़े कर्ज के साथ की है। सरकार ने 1 जनवरी को खुले बाजार में दो चरणों में कुल 5000 करोड़ रुपए का कर्ज लिया है, जिससे राज्य पर कुल कर्ज का आंकड़ा अब 3.75 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। यह कर्ज भारतीय रिजर्व बैंक (ऋक्चढ्ढ) के ई-कुबेर सिस्टम के माध्यम से लिया गया है।

कब शुरू हुई थी योजना?

दरअसल, मुख्यमंत्री लाड़ली बहाना योजना की शुरुआत राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साल 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले की थी। आपको बता दें कि योजना की पहली चार किस्तों में महिलाओं के खातों में 1-1 हजार रुपए की राशि ट्रांसफर की गई थी। इसके बाद किस्त की राशि बढ़ाकर 1,250 कर दी गई। तब से इस योजना के तहत हर महीने महिलाओं को 1250 रुपए की राशि भेजी जाती है। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ राज्य की करीब 1.29 करोड़ महिलाओं को मिल रहा है।

कानून व्यवस्था को बाधित करने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी: धार कलेक्टर श्री मिश्रा

भोपाल। कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्रा ने बताया कि पीथमपुर में कानून व्यवस्था को किसी भी कीमत पर बिगड़ने नहीं देंगे। कानून व्यवस्था को बाधित करने की अनुमति किसी को नहीं दी जायेगी। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान सभी लोगों की बातें सुनी जा रही हैं और उनका निराकरण भी किया जा रहा है। जनता से निरंतर संवाद स्थापित किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि जनता को जागरूक किया जा रहा है, समझाइश दी जा रही है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। हर एक गतिविधि पारदर्शी तरीके से मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी व्यक्ति के जीवन-यापन को प्रभावित होने नहीं दिया जाएगा। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा है कि हम सभी से संवाद करेंगे और सभी समस्याओं का समाधान करेंगे।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देशानुसार संविधान के दायरे में रहकर ही सभी मुद्दों का समाधान किया जाएगा। उन्होंने अपील की है कि सड़कों पर प्रदर्शन न करें। आमजन की सभी बातें सुनी जाएंगी।

अब तक खरीदी गई 28 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 4 लाख 35 हजार 390 किसानों से 28 लाख 48 हजार 823 मीट्रिक टन धान की खरीदी उपार्जन केन्द्रों में हो चुकी है। धान की खरीदी के लिये 1393 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। धान का उपार्जन 23 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रूपये और धान ग्रेड-ए का 2320 रूपये है। जिला बालाघाट में 3 लाख 74 हजार 547, सतना 3 लाख 4 हजार 228, कटनी 2 लाख 80 हजार 206, रीवा 2 लाख 66 हजार 730, जबलपुर 2 लाख 32 हजार 728, सिवनी 1 लाख 75 हजार 162, मण्डला 1 लाख 42 हजार 839, शहडोल 1 लाख 33 हजार 562, मैहर 1 लाख 11 हजार 74, नर्मदापुरम् 1 लाख 4 हजार 867, सिंगरौली 1 लाख 3 हजार 768, पन्ना 84 हजार 448, उमरिया 84 हजार 76, सीधी 82 हजार 767, मऊगंज 69 हजार 684, अनूपपुर 64 हजार 363, नरसिंहपुर 55 हजार 867, दमोह 53 हजार 820, डिंडोरी 32 हजार 614, बैतूल 26 हजार 727, रायसेन 25 हजार 190, सीहोर 19 हजार 893, सागर 10 हजार 217, छिन्दवाड़ा 6 हजार 929, विदिशा 801, भिंड 713, हरदा 543, शिवपुरी 332, अलीराजपुर 51 और झाबुआ जिले में 17 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है।

सही तथ्य जाने बिना भ्रमित न हों: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ विधि वेत्ताओं से विचार-विमर्श

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार जनता के साथ दृढ़ता से खड़ी है। जनता का किसी भी प्रकार अहित हो, यह हम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। माननीय न्यायालय के सामने विषय लाएंगे और न्यायालय के आदेश के परिपालन में ही किसी कार्यवाही पर आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से अपील की है कि झूठी अफवाहों पर विश्वास न करें। हम सब जनता के साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार जनकल्याणकारी, जनहितैषी तथा जनभावनाओं का आदर करने वाली सरकार है। जनता से अपील है कि किसी भ्रम में न आएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार देर रात्रि मुख्यमंत्री निवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक में यूनियन कार्बाइड के कचरे के परिवहन एवं पीथमपुर के निकट निष्पादन किए जाने के संबंध में वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ ही विधिवेत्ताओं से विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उप मुख्यमंत्रीद्वय श्री जगदीश देवड़ा और श्री राजेंद्र शुक्ल, वरिष्ठ सांसद और प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णु दत्त शर्मा, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, प्रमुख सचिव विधि सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यूनियन कार्बाइड के कचरे के विनिष्टीकरण किए जाने संबंधित कार्यों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली सरकार है। हम सदैव जनता के हित को लेकर आगे बढ़े हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के परिपालन में यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर पहुंचाने का परिपालन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने न्यायालय की याचिकाओं और आदेशों के तारतम्य में सुरक्षा मापदंडों का परिपालन करते हुए केवल परिवहन किया है। माननीय न्यायालय ने इस कार्य के लिए डेडलाइन दी थी कि 4 जनवरी के पहले-पहले कचरा निर्धारित स्थान पर पहुंचना चाहिए। न्यायालय को 6 जनवरी तक इसकी रिपोर्ट अपेक्षित थी। इसी परिप्रेक्ष्य में आदेश के परिपालन में यह निर्दिष्ट स्थान पर, जो उनके द्वारा बताया गया था, परिवहन आदेश न्यायालयों द्वारा दिया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनके ध्यान में यह बात आयी कि जनभावनाओ के लिए ऐसी परिस्थितियों में जनता तक यह विषय पहुंचना चाहिए। सुरक्षा के मापदंडों पर किसी प्रकार से कोई खतरा या कोई डर का भाव जनता के बीच आया तो राज्य सरकार यह प्रयास करेगी कि माननीय न्यायालय के समक्ष यह विषय प्रस्तुत हो। इसके बाद ही आगामी किसी प्रकार की कार्यवाही की जाए। माननीय न्यायालय जैसा आदेश देगा, हम उसका पालन करने के लिए तत्पर रहेंगे। तब तक आगे नहीं बढ़ेंगे, जब तक न्यायालय कोई निर्देश जारी नहीं करता।

विशाल भंडारे के साथ में श्री राम कथा का समापन

भोपाल। विगत दिनों से चल रही श्री राम कथा का समापन दिवस रहा इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें लाखों की तादात में भक्तगण कथा श्रवण करने पहुंचे कथा श्रवण करने के बाद श्रद्धालुओं ने श्री राम जी के प्रसाद के रुप में भंडारे का आनंद लिया कथा आयोजक विश्वनाथ मीना ने बताया कि श्रद्धालुओं की ऐसी भक्ति देख कर मन गद गद हो गया श्रद्धालुओं की इतनी बड़ी की पंडाल व्यवस्था बढ़ानी पड़ी माताओं बहनों ने पूज्य पंडित जी मानस पीयूष कपिल शर्मा जी के मुखारविंद से कथा श्रवण की

लेखक संघ का वार्षिक सम्मेलन कल

भोपाल। मध्यप्रदेश लेखक संघ का 31 वाँ वार्षिक साहित्यकार सम्मेलन एवं सम्मान समारोह रविवार 5 जनवरी 2025 को पूर्वाह्न 11 बजे से मानस भवन में आयोजित किया जायेगा। पूर्व सांसद श्री रघुनंदन शर्मा की अध्यक्षता में समारोह के मुख्य अतिथि श्री संतोष चौबे एवं विशेष अतिथि श्री जय नारायण चौकसे प्रदेश के 30 साहित्यकारों को विभिन्न सम्मान प्रदान करेंगे।

अग्रसेन महाराज की महाआरती कल

भोपाल। अग्रवाल समाज द्वारा कमला पार्क स्थित महाराज अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष माह के प्रथम रविवार को महा आरती की जा रही है। साथ ही महाराज अग्रसेन की प्रतिमा पर प्रतिदिन माल्यार्पण भी किया जा रहा है। इसी क्रम को यथावत रखते हुए 05 जनवरी 2025 को सायं 5 बजे, आईटीसी पार्क, कमला पार्क, भोपाल दसवीं महाआरती का आयोजन किया जा रहा है।

पेडों की कटाई मामले में कथित आडियो वायरल होने के बाद DFO ने किया डिप्टी रेंजर को सस्पेंड

छतरपुर। पेडों की कटाई मामले में कथित आडियो वायरल होने के बाद छतरपुर के ष्ठस्नह्र ने डिप्टी रेंजर को सस्पेंड कर दिया है प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन वनों के सरंक्षण हेतु तमाम प्रयास कर रहा है लेकिन जिन लोगों को सरकार ने वनों की रखवाली का जिम्मेदारी दी जब वे ही वनों के दुश्मन हो जाएं तो फिर पर्यावरण का संरक्षण कैसा होगा। ऐसा ही मामला छतरपुर जिले का है, जहां वन विभाग के बसारी सर्किल में पदस्थ डिप्टी रेंजर के कुछ कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं।

वायरल ऑडियो में डिप्टी रेंजर, किसी व्यक्ति को पेड़ काटने की अनुमति दे रहे हैं। इसके अलावा बसारी सर्किल अंतर्गत आने वाले ओंटापुरवा गांव से लगे जंगलों में सागौन की कटाई के वीडियो भी सामने आए हैं।

वायरल ऑडियो बसारी सर्किल में पदस्थ डिप्टी रेंजर रवि खरे के बताए गए हैं। उन पर आरोप है कि वे कुछ लोगों को संरक्षण देकर उनकी मदद से जंगलों में सागौन की कटाई करवा रहे है। जो ऑडियो वायरल हुए हैं, उनमें डिप्टी रेंजर रवि खरे कथित तौर पर वृक्षों की कटाई की जानकारी ले रहे हैं।

हालांकि जब इस संबंध में रवि खरे से बात की गई तो उनका कहना था कि वायरल ऑडियो फर्जी हैं। जो वीडियो सामने आए हैं उनके आधार पर कार्रवाई करते हुए हमने बीती रात सागौन की एक घन मीटर लकड़ी नंदलालपुरा निवासी महाप्रसाद कारपेंटर के कब्जे से जप्त की है। संबंधित पर कार्रवाई की जा रही है।

वहीं वन एसडीओ कार्तिक नायक ने कहा कि इस आशय की जानकारी उन्हें मिली है, मामले की जांच की जा रही है, जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

डिप्टी रेंजर निलंबित..

बता दें कि डिप्टी रेंजर का पफोन की कटाई किये जाने का आडियो वायरल हुआ था। जिसपर डिप्टी रेंजर रवि खरे को छतरपुर ष्ठस्नह्र सर्वेश सोनवानी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में 22 जनवरी तक हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य करें पूरा: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जनकल्याण के क्षेत्र में जिलों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स को मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान को गति देने और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर सुव्यवस्था स्थापित करने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में जिला किस तरह अग्रणी हो, इसके लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में विभिन्न योजनाओं में अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य 22 जनवरी तक पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों में कलेक्टर की भूमिका विकास कार्यों और जनकल्याण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होती है। समाज के युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के कल्याण के लिए योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला कलेक्टर की पहचान कार्य और जनकल्याण के कार्यक्रमों के श्रेष्ठ क्रियान्वयन के आधार पर ही बनेगी। कुछ क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियों का आवश्यक प्रचार भी सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से किया जाए। इससे अन्य जिलों में अधिकारियों और अन्य सभी को भी ऐसे कार्यों को करने की प्रेरणा मिलेगी।

कलेक्टर, देखें रैन बसेरों की व्यवस्थाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सर्दी में रैन बसेरों में रहने वाले व्यक्तियों की अच्छी देखभाल सुनिश्चित करें। समय-समय पर रैन बसेरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लें। इसके साथ ही कलेक्टर, थानों का आकस्मिक निरीक्षण भी करें। जिले की घटनाओं पर कलेक्टर की बारीक नजर होना चाहिए। जनप्रतिनिधियों से संवाद और सम्पर्क में कमी नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा के महत्वपूर्ण सेक्टर्स में जिलों में ऐसे आयोजन हों, जो जिले के महत्व को बढ़ाते हों।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने निक्षय अभियान में देश के 347 जिले चिन्हित कर विशेष प्रयास कर क्षय रोग के नियंत्रण का अभियान प्रारंभ किया।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के अधिकारियों को जारी किए निर्देश

भोपाल। अपर मुख्य सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मंडलोई द्वारा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं निरीक्षण प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिये दिशा-निर्देश जारी किये हैं। जारी आदेश में मुख्य अभियंता और अधीक्षण यंत्री स्तर के अधिकारियों को प्रत्येक माह में कम से कम 8 दिन और कार्यपालन यंत्री स्तर के अधिकारियों को 12 दिन आवश्यक रूप से फील्ड में दौरे करना होगा। कार्यपालन यंत्री को प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार के दिन आपात स्थिति को छोड़ कर मुख्यालय में न रहकर फील्ड में निरीक्षण कार्य करना होगा। निरीक्षण प्रतिवेदन वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेषित करना अनिवार्य किया गया है।

मुख्य अभियंताओं के दल द्वारा सात परिक्षेत्रों के एक एक जिले के कार्यों का प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चर्तुथ गुरुवार को सॉफ्टवेयर के माध्यम से रेण्डम आधार पर प्रगतिरत परफॉर्मेंस गारंटी के कार्यों की दो-दो सड़के (कम से कम एक आर.डी.सी अथवा राष्ट्रीय राजमार्ग हो) तथा एक भवन (लो.नि.वि/बी.डी.सी) को सम्मिलित करते हुए चिन्हित कर निरीक्षण करवाया जाये, जिसमें गोपनीयता का ध्यान रखा जाये। प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चर्तुथ बुधवार को निरीक्षण के लिये कार्यों एवं अधिकारियों की सूची जारी की जायेगी।

अपने अनुभव से अन्य लोगों का मार्ग करें प्रशस्त: उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

सावित्री बाई फुले की 194वीं जयंती पर मंत्रालय में 84 शासकीय सेवकों का हुआ विदाई समारोह

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि शासकीय सेवा में काम करने के बाद सेवानिवृत्त होना सिर्फ शासकीय कार्य से निवृत्त होना है, अब आप स्वतंत्र होकर कई रचनात्मक कार्य कर सकते हैं और अपने अनुभव से लोगों का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने यह बात मप्र अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) की ओर से भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की 194वीं जयंती के अवसर पर मप्र मंत्रालयीन सेवा से वर्ष 2024 में सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के विदाई समारोह के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आप अपना समय भविष्य की नई बुनियाद तैयार करने में लगा सकते हैं।

विदाई समारोह के शुभारंभ पर उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने माता सावित्रीबाई फुले और बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर देश भक्ति गीत और मध्यप्रदेश गायन से कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर माता सावित्रीबाई फुले द्वारा भारत की महिलाओं के लिए किये गये संघर्ष, योगदान व लोकहित में समर्पित जीवन पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने सभी सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को बधाई एवं शुभकानाए दी और दीर्घ आयु, स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि शासकीय कर्मचारियों एवं अधिकारियों का विदाई समारोह अत्यंत सराहनीय कार्य है। सामाजिक दायित्व के निर्वहन के साथ समरसता व भाईचारा और वरिष्ठों के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

देश के 80 प्रतिशत से अधिक घड़ियालों का घर है चंबल नदी

भोपाल। वन्य जीवन से समृद्ध मध्यप्रदेश बाघ प्रदेश, चीता प्रदेश, तेंदुआ प्रदेश के साथ अब घड़ियाल प्रदेश भी है। यहाँ गिद्धों का आदर्श रहवास है। देश में घड़ियालों की संख्या 3044 है और उसमें से मध्यप्रदेश में 2456 है। इस प्रकार देश में 80 प्रतिशत से अधिक घड़ियालों का घर है मध्यप्रदेश। यहाँ पर डॉल्फिन का भी रहवास है। मध्यप्रदेश में अथक प्रयासों से घड़ियालों के संरक्षण का कार्य किया गया। उनके प्राकृतिक रहवास को सुरक्षित बनाया गया और अवैध शिकार पर रोक लगायी गयी। साथ ही अवैज्ञानिक मछली पकड़ने के तौर-तरीकों को बंद किया गया।

435 किलोमीटर क्षेत्र को किया चंबल घड़ियाल अभयारण्य घोषित

चंबल नदी के 435 किलोमीटर क्षेत्र को चंबल घड़ियाल अभयारण्य घोषित किया गया है। चंबल नदी मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सीमा पर बहती है। नदी में घड़ियालों की वृद्धि की वजह देवरी ईको सेंटर है। इस सेंटर में घड़ियाल के अण्डे लाये जाते हैं और उनसे बच्चे निकलने के बाद उनका पालन किया जाता है। बच्चों की आयु 3 साल होने पर उन्हें नदी में छोड़ दिया जाता है। प्रतिवर्ष 200 घड़ियाल को ''ग्रो-एण्ड-रिलीज'' कार्यक्रम के तहत नदी में छोड़ा जाता है। स्वच्छ नदियों में रहना और नदियों को स्वच्छ रखना घड़ियालों की विशेषता है। इसी वजह से कई राज्यों से इसकी माँग की जाती है। चंबल नदी के घड़ियाल प्रदेश एवं देश की नदियों की शान बढ़ा रहे हैं। जलीय जीव घड़ियाल नदियों का ईको सिस्टम मजबूत करते हैं।

देश में वर्ष 1950 और 1960 के दशक के बीच घड़ियालों की आबादी में 80 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आयी। भारत सरकार ने 1970 के दशक में इसे संरक्षण प्रदान किया। संरक्षण समूहों ने प्रजनन और पुन: प्रवेश कार्यक्रम शुरू किये। हालांकि, वर्ष 1997 और वर्ष 2006 के बीच घड़ियालों की आबादी में गिरावट आयी।

घड़ियाल को गेवियलिस गैंगेटिकस, जिसे गेवियल या मछली खाने वाला मगरमच्छ भी कहा जाता है। वयस्क मादा घड़ियाल 2.6 से 4.5 मीटर (8 फीट 6 इंच से 14 फीट 6 इंच) लम्बी होती है और नर घड़ियाल 3 से 6 मीटर (9 फीट 10 इंच से 19 फीट 8 इंच) लम्बे होते हैं। वयस्क नर के थूथन के अंत में एक अलग सिरा होता है, जो घड़ा नामक मिट्टी के बर्तन जैसा दिखता है, इसलिये इसका नाम घड़ियाल पड़ा। घड़ियाल अपने लम्बी, संकरी थूथन और 110 आपस में जुड़े तीखे दाँतों की वजह से मछली पकड़ने में सहायक होते हैं। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य की स्थापना के लिये 30 सितम्बर, 1978 में भारत सरकार की प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी। घड़ियालों का कुनबा बढ़ाने के लिये मुरैना में चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी के देवरी घड़ियाल सेंटर में हेचिंग सेंटर शुरू किये जायेंगे। इन नदियों के किनारे बसे 75 गाँव के लोगों को जागरूक किया गया है। गाँव के 1200 लोग घड़ियाल मित्र के रूप में वन विभाग के साथ काम कर रहे हैं।

पंजाब में वर्ष 1960-70 के बाद से वहाँ की नदियों से घड़ियाल गायब हो गये थे। चंबल नदी के देवरी घड़ियाल सेंटर से वर्ष 2017 में घड़ियाल पंजाब भेजे गये थे। वर्ष 2018 में 25 घड़ियाल सतलुज नदी के लिये भेजे गये और वर्ष 2020 में व्यास नदी के लिये 25 घड़ियाल भेजे गये थे।

स म्पा द की य

बिहार की सुगबुगाहट

केंद्र की एनडीए सरकार को हालांकि फिलहाल कोई खतरा नहीं है, लेकिन बिहार की राजनीति में गरमाहट दिखने लगी है। असल में बिहार की राजनीति के दो धुरंधर नेताओं की पुरानी केमिस्ट्री ने एक बार फिर से राजनीतिक हलचल मचा दी है। जहां राजद और इंडिया ब्लॉक के नेता लालू प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार को फिर से साथ आने का निमंत्रण दे दिया, वहीं नीतीश ने भी सीधे खंडन करने के बजाय इसे हंसकर टाल दिया। इसके बाद कयासबाजी का वह दौर शुरू हुआ, जिसने पटना से लेकर दिल्ली तक राजनीति के सभी धड़ों के कान खड़े कर दिए।

असल में वर्तमान राजनीति में नीतीश कुमार इकलौते ऐसे नेता हैं, जो पिछले एक दशक में चार बार पाला बदलकर बिहार की सत्ता में बने रहे हैं। यही नहीं, वह प्रासंगिक भी बने हुए हैं। इसीलिए लालू प्रसाद ने एक बार फिर कहा कि नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे खुले हुए हैं। बड़ी बात यह है कि कोई भी प्रामाणिकता के साथ इस संभावना को नकारने की स्थिति में नहीं दिख रहा कि कहीं नीतीश फिर से पाला बदलने की तैयारी में तो नहीं हैं?

नीतीश को लेकर अटकलों को मजबूती बिहार में एनडीए खेमे के मौजूदा आंतरिक समीकरणों से भी मिल रही है। कुछ ही दिन पहले अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के मौके पर उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता विजय कुमार सिन्हा ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि अटल जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि बिहार में भाजपा के पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाई जाए। हालांकि जल्द ही उन्होंने इस बयान से किनारा कर लिया, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। हां, यह परसेप्शन पहले से ही बना हुआ है कि भाजपा बिहार की राजनीति में जदयू और नीतीश कुमार की अनिवार्यता जल्द से जल्द समाप्त करना चाहती है।

एक घटना और हुई। असल में पिछले हफ्ते नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के दौरान हुई कथित अनदेखी की भी खबरें आ गईं। कहा गया कि दिल्ली में नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलना चाहते थे, लेकिन उन्हें किसी ने भी वक्त नहीं दिया। इसकी खबर बिहार तेजी से फैली और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन चुकी है। इस बीच लालू का बयान आ गया कि नीतीश के लिए दरवाजे खुले हुए हैं। हालांकि, बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ऐसी किसी संभावना के पक्ष में नहीं दिखते। उनका पूरा फोकस इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव पर है। उनका मानना है कि इस वक्त नीतीश कुमार के आने की संभावना कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भ्रम और असमंजस पैदा कर सकती है।

गौर करनेवाली बात ये भी है कि केंद्र सरकार में एनडीए के पास बहुमत नहीं है और चंद्राबाबू नायडू व नीतीश कमार का साथ उसके लिए महत्वपूर्ण है। वैसे हालांकि आगामी लोकसभा चुनाव 2029 में होने हैं, इसलिए अभी से केंद्रीय सत्ता का समीकरण बिगाड़ने का विकल्प नीतीश कुमार भी शायद ही चुनना चाहेंगे। लेकिन बिहार के विधानसभा चुनाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। देखा जाए तो नीतीश के लिए तो विधानसभा चुनाव ज्यादा महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वह बिहार में सबसे ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री रहने का ऐसा रिकार्ड बनाना चाहते हैं, जो कोई न तोड़ सके।

बिहार में अब विधानसभा चुनाव की सरगर्मी शुरू हो गई है। देखने वाली बात है कि भाजपा अब हर राज्य में केवल अपनी ही सरकार चाहती है। महाराष्ट्र में उसे बढ़त मिल गई है और ओडिशा में भी वह बहुमत में आ चुकी है। ऐसे में बिहार भी उसके टार्गेट पर है। भाजपा के अंदरखाने में न केवल अपनी सरकार बनाने की चर्चा है, अपितु बिहार इकाई इसी पर काम भी कर रही है। नीतीश कुमार को इसकी पूरी जानकारी मिल चुकी है।

अब नीतीश क्या कदम उठाते हैं, यह निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता और न ही कोई अनुमान लगा सकता, लेकिन यह तय है कि जरा भी खतरा महसूस करेंगे तो नीतीश फिर से पलटी मार देंगे। उन्हें भाजपा से दूरी बनाने में भी समय नहीं लगेगा। यही कारण है कि दिल्ली में नीतीश की अनदेखी के बाद लालू ने तुरंत पासा फेक दिया। देखना होगा कि विधानसभा चुनाव तक बिहार की राजनीति में कोई परिवर्तन होता है, या फिर ऐसे गुबार उठते रहेंगे।

गोकुल ग्राम से वृंदावन, विभाग से मिशन, कैसे बदलेगा मिशन करप्शन?

सरयूसुत मिश्रा

नवीनता हमेशा स्वागत योग्य होती है. शासन के हर प्रयास परिणाम से आंके जाते हैं. प्रतीकों में शासन और परिणाम में करप्शन सरकार का 'सीआर' खराब करते हैं. सिस्टम को अगर सरकार का शरीर मान लिया जाए तो करप्शन उसकी चेतना कही जा सकती है. कोई भी सुधार, योजनाओं की नवीनता और अनूठापन तभी सार्थक हो सकता है, जब परिणाम सिस्टम हितेषी ना होकर जनहितेषी साबित हो.

एमपी में दशकों से लोक परिवहन नहीं है. राज्य परिवहन निगम बंद हो गया है. लोग, परिवहन के साधन के लिए तरस रहे हैं और परिवहन विभाग सोना उगल रहा है. यह भी ख़ुशी की बात है कि अब यह लोक परिवहन फिर से प्रारम्भ होने जा रहा है.

परिवहन विभाग के बैरियर भी मॉर्डनाईज किए गए थे. कंप्यूटराइज भी किए गए थे. पारदर्शिता और ईमानदारी की बातें भी की गई थीं, लेकिन परिणाम छापों से साबित हुआ है. अब तो परिवहन की डायरी में शामिल नामों पर सियासत हो रही है. एजेंसी द्वारा सिस्टम के करप्शन पर छापों का लंबा इतिहास है. सुधार के सारे प्रयासों की पोल छापों में जब्ती खोल देती है.

राज्य सरकार ने परिवहन चेकपोस्ट जब बंद की थी, तब बहुत वाहवाही हुई थी. सिस्टम ने मिशन करप्शन पर चलते हुए चेक पोस्ट की जगह चेक प्वाइंट बना लिए. अब ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को पद से हटा दिया गया है, पद से हटाने से क्या सारे पाप धुल जाएंगे. सिस्टम की यही त्रासदी है, कि ज्यादा सा ज्यादा सज़ा ट्रांसफर होती है. नई जगह पर जाकर संबंधित अफसर फिर सिस्टम में पार्ट अदा करने लगता है.

युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों की बेहतरी के लिए अगर मिशन एप्रोच ही आवश्यक था तो अभी तक इस पर विचार क्यों नहीं किया गया. जब इन वर्गों के लिए बने सरकारी विभागों ने इतनी लंबी अवधि तक काम किया है. प्रदेश के गठन से अब तक इनके विकास पर खर्च राशि का आंकलन किया जाएगा तो आंखें फटी की फटी रह जाएंगी. इनके परिणाम यह निकले कि,सरकार को नए मिशन बनाने पड़ रहे हैं.

खेती को लाभ का धंधा बनाने और किसानों की आय दोगुनी करने के नारों के साथ किसान सम्मेलन, महा-सम्मेलन के नाम और पब्लिसिटी पर जितनी रकम खर्च की गई होगी उसके परिणाम तो नए मिशन के गठन के साथ ही पता चल जाते हैं. अगर वास्तव में परिणाम सार्थक होते तो आय दुगनी हो चुकी होती और आज इस लक्ष्य के लिए नए मिशन बनाने की कोई आवश्यकता नहीं होती.

मंत्रालय में ई-फाइलिंग शुरू हो गई है. सिस्टम चाहे ऑनलाइन हो या ऑफलाइन, उसको चलाने का दायित्व तो सिस्टम के इंसान के पास ही रहेगा. ई-फाइलिंग सिस्टम इन फाइलों पर कोई टिप्पणी तो नहीं लिख सकेगा.सिस्टम के मिशन करप्शन को ई-फाइलिंग कैसे रोकेगा. योजनाओं के नाम, विभागों के नाम बदलने से मिशन करप्शन तो नहीं बदल जाएगा?

प्रतीकों का शासन, शैली का स्वभाव बन गया है. पंच ज से शुरु गोकुल ग्राम, आओ बनाएं स्वर्णिम आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश होते हुए, अब मध्य प्रदेश वृंदावन ग्राम के प्रतीक तक पहुंच गया है. चाहे योजनाओं के नाम हों, सड़कों के नाम हों, शहरों के नाम हों, सभी प्रतीकात्मक रखे जाते हैं.

राम वनगमन पथ और श्री कृष्ण पाथेय प्रतीकों के शासन का ही रास्ता है. शासन जनजातीय गौरव के प्रतीक तलाश लेते हैं. दलितों के प्रतीक गौरव खड़े किए जाते हैं. विचारधारा के महापुरुषों के नाम पर योजनाओं के प्रतीक खड़े किए जाते हैं. इस सब में सिस्टम के करप्शन की चेतना सतत प्रवाहित होती है.

जिन वर्गों के लिए मिशन बनाए जा रहे हैं, उन पर सरकार के विभाग बहुत पहले से काम कर रहे हैं. जब यह विभाग लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए तो फिर मिशन यह लक्ष्य कैसे हासिल करेगा? मिशनों का संचालन भी उन्ही हाथों में होगा, जो हाथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विभागों का संचालन कर रहे हैं.

एजेंसियों के छापे और घोटाले की ख़बरें छोटे-बड़े रूप में आती रहती हैं. अब तो छापों में ही मिशन करप्शन की बातें होने लगी हैं. पूर्व परिवहन आरक्षक और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर तीन एजेंसियों ने छापे मारे हैं. पहले, दूसरे और तीसरे क्रम में की गयी छापेमारी में, हर बार कुछ नया मिला है. नए मिलने का मतलब है कि, पुरानी छापेमारी में या तो कुछ छूट गया या छोड़ दिया गया.

सीसीटीवी के फुटेज सोने की गाड़ी का रूट बता रहें हैं. एक दूसरे एजेंसी की देखी और अनदेखी, मीडिया में उजागर हो रही है. जब मिशन करप्शन सिस्टम की चेतना बन गई हो तो फिर कोई भी सुधार या नयापन परिणाम तो वही लाएगा जो अभी निकलता दिखाई पड़ रहा है.

ऑनलाइन सिस्टम स्पीड तो बढ़ा सकता है. यहां तक कि अगर उसमें फीडिंग ईमानदारी से होगी तो रिजल्ट भी ईमानदारी से आएगा. फीडिंग तो जो हाथ करेंगे वह उनकी मर्जी पर ही निर्भर करेगा. अवसर की अन-उपलब्धता अगर ईमानदारी का कारण है, तो फिर ऑनलाइन या ऑफलाइन से क्या फर्क पड़ेगा ?

सरकारी सिस्टम को अपनी चेतना बदलनी पड़ेगी. अगर शासन लोक का लक्ष्य करप्शन की चेतना से मोक्ष हासिल कर परलोक सुधारने का है तो, फिर इस लोक को तो सुधारना संभव नहीं लगता. जब चेतना एक समान हो तो फिर उसमें बड़े या छोटे आदमी के हिसाब से कुछ भी अलग नहीं होता. पावर हाउस एक ही होता है, जहां से पूरा सिस्टम पावर प्राप्त करता है. करप्शन का चक्र घूमता रहता है. इस चक्र में भी पद और पावर के हिसाब से शोषण का चक्र चलता है.

अब तो ऐसा लगने लगा है कि, करप्शन के प्रति सिस्टम में संवेदनशीलता ही समाप्त हो गई है. अब तो कितनी बड़ी राशि और कितनी बड़ी मात्रा में ही सोना निकले, लोगों को विचलित नहीं करता. आम लोगों ने तो सिस्टम में करप्शन को स्वीकार कर लिया है.

यह पूरा चक्र काले धन से व्यवस्था को संचालित करता है. चुनाव में काला धन ट्रांसफर, प्रमोशन में काला धन, ठेकों में काला धन का उपयोग होता है तो, इसका जनरेशन सिस्टम से ही होता है.

नवीनता का स्वागत है लेकिन आज की नवीनता भविष्य में जो परिणाम देगी उस पर ही प्रयोग की सफलता कायम होगी. यक्ष ने संसार में सबसे बड़े आश्चर्य की बात पूछी थी तो युधिष्ठिर ने उत्तर दिया कि, 'हर रोज आंखों के सामने कितने ही प्राणियों की मृत्यु हो जाती है, यह देखते हुए भी इंसान अमरता के सपने देखता है, यही महान आश्चर्य है'.

कभी सिस्टम का कोई यक्ष किसी धर्मराज से सवाल करेगा, तब शायद यही उत्तर आएगा कि, सब कुछ मिट्टी में मिल जाता है, सब मिट जाते हैं फिर भी करप्शन से कमाई की मानसिकता नहीं मिटती, यही सबसे बड़ा आश्चर्य है.

रोजगार के मामले में देश आज भी फिसड्डी

-राकेश दुबे

बीते जून 2024 में भारत की बेरोजगारी दर 9.2 प्रतिशत रही । भारत में आज भी बेरोजगारी चिंता का विषय बनी हुई है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं विचारक रुडोल्फ ज्ञान डी मैलो के अनुसार 'बेरोजगारी वह परिस्थिति है, जिसमें एक व्यक्ति इच्छा होने के बावजूद वैतनिक व्यवसाय की स्थिति में नहीं होता है।' देखा जाए तो ऐसी परिस्थितियों से हममें से अधिकतर लोग अपने-अपने जीवन में कभी न कभी अवश्य गुजरे होते हैं। वहीं अनेक लोगों के जीवन में तो हमेशा ही ऐसी ही स्थितियां बनी रहती हैं, अर्थात लोग जीवनभर बेरोजगार ही बने रहकर किसी प्रकार खिंच-तीरकर अपने जीवन की गाड़ी को ढोते रहते हैं।

यूँ तो देश की अर्थव्यवस्था पहले के मुकाबले आज बहुत अच्छी स्थिति में पहुंच चुकी है, किंतु रोजगार के मामले में हम आज भी फिसड्डी बने हुए हैं।

बेरोजगारी के वास्तविक स्वरूप को समझने के लिए जुलाई 2024 में गुजरात में घटी उस घटना का स्मरण करना चाहिए, जिसे घटे अभी बहुत दिन नहीं हुए हैं। गौरतलब है

कि उस घटना में एक कंपनी द्वारा उसके 10 पदों के लिए नौकरी का एक विज्ञापन प्रकाशित हुआ था। बता दें कि उन 10 पदों को भरने के लिए तब गुजरात की एक निजी इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा निर्धारित स्थल (अंकलेश्वर के लॉर्ड्स प्लाजा होटल) में, जहां उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया जाना था, कुल 1800 युवाओं की भीड़ एकत्र गई थी। इतना ही नहीं, लोगों ने होटल के भीतर घुसने के लिए जमकर धक्का-मुक्की भी की। मात्र 10 पदों को भरने के लिए वहां पहुंचे लोगों की भीड़ इतनी घनी थी कि उसने स्टील की रेलिंग को धक्का देकर तोड़ दिया। तब कई लोग रेलिंग के साथ ही नीचे गिरे भी थे। हालांकि उस दर्घटना में किसी की मृत्यु तो नहीं हुई, लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं कि वह घटना छोटी थी। गौर करें तो यह घटना वास्तव में इस बात का प्रतीक है कि 140 करोड़ आबादी वाला भारत आज एक अत्यंत भयावह आपदा के मुहाने पर खड़ा है और वह है बेरोजगारी की आपदा।

केवल 10 पदों पर नियुक्ति के लिए 1800 युवाओं की भीड़ का एकत्र होना तथा 'पहले हम-पहले हम' वाली स्थिति का उत्पन्न होना युवाओं की कितनी भयावह मनःस्थिति को दर्शाता है, जबकि सभी को मालूम है कि केवल 10 ही लोग वहां चयनित किए जाने हैं। ऐसी ही एक अन्य घटना में चपरासी के लिए निकली सरकारी नौकरी की भर्ती में स्नातक एवं स्नातकोश्रर उत्तीर्ण और वह भी निर्धारित पद-संख्या के मुकाबले कई-कई गुना अधिक अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन किया गया था, जो यह बताने के लिए काफी है कि देश में आज बेरोजगारी एक अभिशाप का रूप ले चुकी है।

दूसरी वाली घटना, पहली वाली गुजरात की घटना से भी कहीं अधिक भयावह प्रतीत होती है। जरा सोचिए कि देश में युवाओं की मनोदशा कैसी होती जा रही है, कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर उत्तीर्ण अभ्यर्थी अपने जीवन की दशा सुधारने के लिए चपरासी तक बनने के लिए तैयार हो चुके हैं। यहां पर गौर करने की बात यह है कि किसी भी व्यक्ति के लिए चपरासी होना कोई बुरी बात नहीं होनी चाहिए, परंतु यह भी सौ प्रतिशत सत्य है कि जब कभी कोई युवा उच्च तथा उच्चत्तर शिक्षा प्राप्त करता है तो वह यह तो कदापि नहीं सोचता कि अपनी शिक्षा-दीक्षा पूरी करने के बाद वह चपरासी की नौकरी करेगा।

ये परिस्थितियां यह साबित करती हैं कि भारत में बेरोजगारी अब बीमारी या कहा जाए कि महामारी का रूप ले चुकी है, जिसे नियंत्रित करने अथवा रोकने के लिए आवश्यक 'वैक्सीन' के निर्माण में हमारी तमाम राज्यों एवं केंद्र की सरकारें अब तक असफल ही रही हैं। गौरतलब है कि थिंक टैंक 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग दि इंडियन इकोनॉमी' ने बताया है कि जून 2024 में भारत की बेरोजगारी दर 9.2 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा इस मुद्दे की गहराई को उजागर करता है।

बीते बरस में कुछ फिल्मों ने जीता दिल, कुछ गिरी धड़ाम से!

- हेमंत पाल

हर व्यक्ति के लिए हर साल कुछ अलग होता है। जिस तरह घटनाएं अपने आपको नहीं दोहराती, वही स्थिति सिनेमा की भी है। यहां तक कि सिनेमा की दुनिया में भी हर साल उतार-चढाव आते रहते हैं। कभी दर्शक रिलीज हुई ज्यादातर फिल्मों को पसंद नहीं करते, पर बीता साल इस मामले में लकी रहा कि दर्शकों ने अधिकांश फिल्मों को सराहा। उनमें भी हॉरर-कॉमेडी और एक्शन फिल्मों का जलवा कुछ ज्यादा छाया। स्त्री-2, भूल भुलैया-3 और 'मुँज्या' के अलावा सिंघम अगेन, किल और 'फाइटर' जैसी फिल्मों को सराहा गया। साल खत्म होने से पहले 'पुष्पा-2' रिलीज हुई।

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। इसने कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए और हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म बन गई। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के हिसाब से भी यह साल फिल्मों के लिए अच्छा कहा जा सकता है। लेकिन, कई बड़ी फ़िल्में फ्लॉप भी हुई। सबसे खास बात यह रही कि बीते बरस बड़े सितारों का जादू दर्शकों के सिर चढ़कर नहीं बोला, बल्कि राजकुमार राव और कार्तिक आर्यन की फिल्मों के अच्छी कमाई की। अक्षय कुमार की फिल्मों के फ्लॉप होने का सिलसिला इस साल भी जारी रहा। अजय देवगन भी दर्शकों को प्रभावित करने में नाकाम ही रहे।

कहा जा सकता है कि फिल्म इंडस्ट्री के लिए साल 2024 बीते सालों के मुकाबले बेहतर रहा। ऐसी कई फिल्में आई, जिसे दर्शकों ने पसंद किया। लेकिन, कुछ फिल्में ऐसी भी हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर खास कमाई नहीं की, लेकिन उनकी कहानी ने लोगों को प्रभावित किया। इस लिस्ट में किरण राव के डायरेक्शन में बनी 'लापता लेडीज' भी है, जिसे भारत की तरफ से ऑस्कर में भेजा गया है। यह जिक्र उन फिल्मों का जो सुपरहिट रही। ऐसी फिल्मों में '2-स्त्री' अव्वल रही, जिसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी ने काम किया। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर छाई रही और बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्ड वाइड 858 करोड़ का कलेक्शन किया। 'भूल भुलैया-3' दिवाली के मौके पर रिलीज हुई थी। 150 करोड़ में बनी इस फिल्म का वर्ल्ड वाइड ग्रॉस कलेक्शन 396.7 करोड़ बताया गया। फिल्म का घरेलू कलेक्शन 260.7 करोड़ है। कार्तिक आर्यन की इस फिल्म ने कलेक्शन के मामले में 'सिंघम अगेन' को भी पीछे छोड़ दिया।

प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' भी बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई। फिल्म को दर्शकों ने पसंद किया। कलेक्शन की बात करें तो बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 378.4 करोड़ का वर्ल्ड वाइड कलेक्शन किया। विजय सेतुपति की फिल्म 'महाराजा' कुछ अलग तरह की फिल्म रही, जिसमें सस्पेंस और थ्रिलर है। फिल्म की कहानी ने दर्शकों को बांध दिया था। अजय देवगन और आर माधवन की 'शैतान' भी हिट रही। इस हॉरर फिल्म को पसंद किया गया। फिल्म ने कलेक्शन भी अच्छा किया था और सिनेमाघरों में टिकी रही। इस लिस्ट में किरण राव के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'लापता लेडीज' को भूला नहीं जा सकता। 'लापता लेडीज' में ज्यादातर नए कलाकार हैं, पर फिल्म के कथानक ने दर्शकों को बांधकर रखा। फिल्म की कहानी इतनी दमदार थी कि दर्शकों को वो अपने आसपास की घटना लगी। यह ओटीटी की सबसे ज्यादा देखने वाली फिल्म तो बनी, इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन तो बेहद सीमित 27.06 करोड़ रहा। वहीं घरेलू कलेक्शन भी 20.58 करोड़ रहा।

साल की शुरुआत में आई ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर की फिल्म 'फाइटर' को देखने वालों ने पसंद किया। लंबे समय से दर्शक ऋतिक और दीपिका की जोड़ी को देखने का इंतजार कर रहे थे। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 355.4 करोड़ का वर्ल्ड वाइड ग्रॉस कलेक्शन किया है। मल्टी स्टार फिल्म 'सिंघम अगेन' देखने वालों को अच्छी तो लगी, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षा के अनुरूप कलेक्शन नहीं कर सकी। पर, फिल्म ने हंसाया बहुत। रणवीर सिंह की एक्टिंग की अच्छी तारीफ हुई। उनकी परफॉर्मेंस से लोग बहुत प्रभावित हुए। राघव जुयाल और लक्ष्य की एक्शन फिल्म 'किल' में जबरदस्त मारधाड़ दिखाई गई। फिल्म की कहानी एक ट्रेन की थी, जिसमें बहुत खून खराबा होता है। इस लिस्ट की आखिरी फिल्म 'मंजुमेल बॉयज' एक सच्ची घटना पर आधारित है। ये तमिलनाडु के जंगलों में गुना केव्स की सच्ची घटना है। ये मलयालम फिल्म है, जिसे ओटीटी पर डब किया गया है। इसके अलावा 'देवरा-1' ने 443.8 करोड़ का वर्ल्ड वाइड ग्रॉस कलेक्शन किया।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए साल संतोषजनक कहा जाएगा। कुछ बड़े बजट की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई, तो कुछ कम बजट की फिल्मों ने धमाल मचाया। हॉरर-कॉमेडी वाली फिल्मों को दर्शकों ने बहुत पसंद किया। पसंद भी इतना किया गया कि बॉक्स ऑफिस पर भी इन फिल्मों ने अच्छी कमाई की। 'मुंज्या' इस साल के शुरू में आई, जिसे देखकर हर दर्शक प्रभावित हुआ। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतना धमाल मचाया कि दर्शक चौंक गए। 'मुंज्या' ने बॉक्स ऑफिस पर 132 करोड़ का कलेक्शन किया। जबकि, फिल्म का बजट 30 करोड़ के आसपास रहा।

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म 'स्त्री-2' अगस्त में रिलीज हुई। फिल्म के साथ दो और बड़ी फिल्में आईं थीं। 'स्त्री-2' ने दोनों बड़ी फिल्मों को पटखनी देकर बॉक्स ऑफिस पर धमाल कर दिया। 'स्त्री-2' साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने वर्ल्ड वाइड 840 करोड़ का कलेक्शन किया। जबकि, फिल्म की लागत 50 करोड़ थी। ऐसी फिल्मों में कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया-3' ने भी रंग जमाया। ये फिल्म दर्शकों को डराने के साथ हंसाती भी है। 'भूल भुलैया-3' का बजट 150 करोड़ था और इसने बॉक्स ऑफिस पर 450 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया। सोनाक्षी सिन्हा के डबल रोल वाली फिल्म 'काकुड़ा' ओटीटी पर रिलीज हुई थी। हॉरर कॉमेडी पसंद करने वालों के लिए ये अच्छी फिल्म रही।

राजकुमार राव का जलवा: फिल्मों के अलावा कलाकारों के लिए भी यह साल बेहतरीन साबित हुआ। लोगों ने कई कलाकारों के अभिनय को सराहा। इस साल अपनी अदाकारी से लोगों का दिल जीतने वाले कलाकारों का जिक्र किया जाए तो राजकुमार राव का नाम ही सबसे पहले आता है। यह साल इस अभिनेता के लिए सफल साबित हुआ। इस साल उनकी कई फ़िल्में सुपरहिट रही। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की 'स्त्री-2' को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला। फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। फिल्म में पंकज त्रिपाठी के अभिनय को भी पसंद किया गया। इस फिल्म ने उन्हें बॉक्स ऑफिस का महाराजा बना दिया।

राजकुमार राव की हिट फिल्मों में 'श्रीकांत' भी है, जो मई में रिलीज हुई। इसमें राजकुमार ने एक दृष्टिहीन का किरदार निभाया है। इस फिल्म को अच्छी सफलता भी मिली। फिल्म ने 50.05 करोड़ का कलेक्शन किया। उनकी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' फिल्म रिलीज हुई। इसमें उनके साथ तृप्ति डिमरी को देखा गया। इस कॉमेडी फिल्म की कहानी को दर्शकों ने पसंद किया, पर फिल्म चली नहीं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 41.93 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का नाम भी इस सूची में है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 36.28 करोड़ का कलेक्शन किया। जाह्नवी और राजकुमार की जोड़ी को भी दर्शकों ने पसंद किया, पर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जलवा नहीं दिखा।

2024 की बड़ी फ्लॉप फिल्में: इस साल कई बड़े बजट वाली और बड़े कलाकारों की फ़िल्में आईं। लेकिन, कई फ़िल्में उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफ़िस कमाल नहीं कर सकी और न दर्शकों पर खास प्रभाव नहीं छोड़ सकी। आलिया भट्ट की फ़िल्म 'जिगरा' से लेकर कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो समेत कई फिल्में हैं, जिन्होंने दर्शकों पर असर नहीं छोड़ा और इस वजह से बॉक्स ऑफिस पर भी फ्लॉप रही। आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा' में भाई-बहन का प्रेम दिखाया गया। लेकिन, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असर नहीं दिखा सकी। इसका बॉक्स ऑफ़िस कलेक्शन मात्र 55.05 करोड़ रुपए ही रहा। अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' भी उन फिल्मों में शामिल है जिसे दर्शकों ने नापसंद किया। फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी 102.16 करोड़ रुपए रहा। पैरालंपिक में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिलाने वाले मुरलीकांत पेटकर की जीवनी पर आधारित फिल्म 'चंदू चैंपियन' भी नहीं चली। कार्तिक आर्यन की इस फिल्म ने 88.14 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया!

इंडियन फुटबॉल टीम के मैनेजर और कोच सैयद अब्दुल रहीम की रियल लाइफ आधारित फिल्म 'मैदान' भी उम्मीद पर खरी नहीं उतरी। सैयद अब्दुल रहीम को इंडियन फुटबॉल का आर्किटेक्ट माना जाता है। इसमें अजय देवगन की मुख्य भूमिका है। फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 71 करोड़ रुपए ही रहा! 1999 में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 814 और भारतीय इतिहास में अन्य हवाई जहाज अपहरण ने फिल्म 'योद्धा' के लिए प्रेरणा का काम किया। सिद्धार्थ मल्होत्रा, राशि खन्ना और दिशा पटानी मुख्य कलाकार है। 'योद्धा' ने बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 35.56 करोड़ रुपए कमाए। शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' इंजीनियर और रोबोट की प्रेम कहानी है।

फिल्म को दर्शकों से ज्यादा प्यार नहीं मिला और 85.16 करोड़ रुपए पर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सिमट गया। राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'मिस्टर और मिसेज माही' क्रिकेट के जुनून पर आधारित फिल्म है ,पर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पटखनी खा गई। फिल्म ने सिर्फ 35.55 करोड़ रुपए कमाए! राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में कॉमेडी जरूर थी लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह फ्लॉप रही।

फिल्मों के दर्शक अब ओटीटी तरफ भी जाने लगे हैं और इसका सबसे बड़ा प्रमाण है संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी- द डायमंड बाजार' के सुपरहिट होने का। ओटीटी पर रिलीज के बाद से इस सीरीज ने तहलका मचा दिया। 'हीरामंडी' ने ग्लोबल लेवल पर भी अपना असर दिखाया। शानदार विजुअल्स, बेहतरीन संगीत, बांधने वाली कहानी, निर्देशन और कलाकारों के बेहतरीन परफॉर्मेंस ने दर्शकों के साथ समीक्षकों का भी दिल जीत लिया। गूगल ट्रेंड्स में ये वेब सीरीज साल 2024 की सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली सीरीज बन गई। ग्लोबल लिस्ट में जगह बनाने वाली यह एकमात्र भारतीय वेब सीरीज है। इसके अलावा मिर्जापुर-3, ग्यारह ग्यारह, पंचायत-3, सिटाडेल - हनी बनी, मर्डर इन माहिम और शेखर होम को दर्शकों ने पसंद किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

संघ प्रमुख मोहन भागवत का बयान 'लाठी प्रदर्शन नहीं, वीरता की सीख देता है संघ'

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष की शुरुआत इंदौर में ÷स्वर शतकम÷ आयोजन से हुई। इस कार्यक्रम में एक हजार से अधिक स्वयंसेवकों ने जयघोष का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, स्वयंसेवकों ने सौ के अंक की आकार में मानव आकृति भी बनाई।

समारोह में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि संघ के कार्यक्रमों का उद्देश्य मनुष्य के अच्छे गुणों को बढ़ाना है। भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि संघ लाठी चलाना प्रदर्शन के लिए नहीं सिखाता, बल्कि यह एक कला है। लाठी चलाने से व्यक्ति में वीरता का विकास होता है और डर का अहसास समाप्त हो जाता है।

संघ में घोष दलों का इतिहास, संगीत और देशभक्ति का संयोजन

आरएसएस में घोष दलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सभी लोग संगीत के प्रेमी होते हैं, लेकिन सभी इसे साधना नहीं कर पाते। भारतीय संगीत में घोष दलों की परंपरा नहीं रही है। शुरुआत में संघ के स्वयंसेवकों ने नागपुर के कामठी केंटोनमेंट बोर्ड में सेना के वादकों की धुनों को सुनकर अभ्यास किया। संगीत वादन का भी देशभक्ति से गहरा संबंध है। अन्य देशों में भी देशभक्ति का प्रदर्शन संगीत के माध्यम से किया जाता है। हम दुनिया से पीछे न रहे, इसलिए हमने घोष दलों की उपयोगिता को समझा और संघ में इसकी शुरुआत की।

राष्ट्र निर्माण की दिशा में संघ का योगदान

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ के कार्यक्रम केवल प्रदर्शन के लिए नहीं होते। इन कार्यक्रमों के माध्यम से मनुष्य की संस्कृति, स्वभाव और संस्कार का निर्माण होता है। उन्होंने यह भी बताया कि इस जयघोष का प्रदर्शन इसलिए किया गया, ताकि समाज इसे समझे और उसकी जड़ तक पहुँच सके। भागवत ने कहा कि लोग राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से संघ से जुड़ते हैं, और अगर समाज में राष्ट्र निर्माण का भाव जागृत होता है, तो एक दिन पूरी दुनिया में सुख और शांति का युग आएगा।

समारोह के मुख्य अतिथि, लोक गीत कलाकार कालूराम बामनिया ने कहा कि कर्म सबसे महत्वपूर्ण है और हमें अपने कर्तव्यों को निभाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कर्म ही इंसान को महान बनाता है। इस अवसर पर मंच पर मालवा प्रांत के सर संघ चालक प्रकाश शास्त्री और डॉ. मुकेश मोड़ भी उपस्थित थे।

मालवा प्रांत के 28 जिलों के स्वयंसेवकों ने बैंड, बांसुरी और ट्रंपेट पर विभिन्न धुनों का प्रदर्शन किया। बांसुरी पर ÷मेरी झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे,÷ ÷राम आएंगे÷ और ÷नमः शिवाय÷ जैसे भजनों की धुन भी प्रस्तुत की गई। 45 मिनट तक चलने वाली धुनों की प्रस्तुति के बाद, वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

गांधी पार्क से अंबेडकर प्रतिमा हटाने से लोग नाराज, नपा को आवेदन देकर जताया विरोध

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)- गांधी पार्क में संजीवनी क्लिनिक निर्माण के दौरान नगर परिषद द्वारा अंबेडकर प्रतिमा को वहां से हटा दिया जिससे लोगों में नाराजगी देखी गई। आमजनों ने आज नगर परिषद अध्यक्ष को ज्ञापन देकर आगामी सात दिनों में अंबेडकर प्रतिमा को स्थापित करने की मांग की। इस दौरान गुस्साये लोगों ने नपा प्रशासन को सात दिनों का अल्टीमेटम देकर गांधी पार्क में संबिधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ती लगाने की मांग की इस दौरान गुस्साये लोगों ने कहा कि आगामी सात दिनों में मूर्ती स्थापित नही की तो सभी नगरवासियों को लेकर उग्र आंदोलन करेगें।

इनका कहना है : आवेदन प्राप्त हुआ है आमजनों की इक्छा आनुसार जगह बदलकर नवीन मूर्ती को जल्द स्थापित करेगें।

लक्ष्मी चौकसे, नपा अध्यक्ष ओबेदुल्लागंज

कलेक्टर सड़क दुर्घटना में घायलों को देखने चिकित्सालय पहुंचे

मंडला--जिले मुख्यालय के पुरवा रोड पर रात्रि में हुई भीषण सड़क हादसे में दो व्यक्तियों की दर्दनाक मृत्यु हो गई है।दुर्घटना में गंभीर दो व्यक्तियों को उपचार हेतु जबलपुर रेफर किया गया है और दो घायल व्यक्तियों का जिला चिकित्सालय मंडला में उपचार चल रहा है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा सड़क दुर्घटना की खबर मिलते ही रात्रिकाल में जिला चिकित्सालय पहुंचकर मृतकों के परिजनो और दुर्घटना में घायल व्यक्तियों से मिले। उन्होंने जिला चिकित्सालय में भर्ती घायल व्यक्तियों का उचित उपचार करने के निर्देश दिए।उन्होंने घायल व्यक्तियों पर लगातार निगरानी रखने व आवश्यकता पड़ने पर जबलपुर रेफर करने को कहा।सड़क दुर्घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक श्री सकलेचा ने बताया कि पुरवा सड़क में दो वाहनों के भिड़ंत से भीषण सड़क दुर्घटना हो गई है।

इस दुर्घटना से दो व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। जिसके बाद जिले में सड़क दुघर्टना को लेकर लापरवाह वाहन चालकों के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है वहीं प्रशासन द्वारा दो व्यक्तियों को उपचार हेतु जबलपुर रेफर किया गया है। जिला चिकित्सालय मंडला में दो व्यक्तियों का उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

पीडब्यूडी में 3 चीफ इंजीनियरों के तबादले

भोपाल- राज्य शासन लोक निर्माण विभाग ने आज 3 प्रभारी चीफ इंजीनियरों के तबादला आदेश जारी किए हैं। सागर के प्रभारी मुख्य अभियंता आर एल वर्मा को अब जबलपुर का मुख्य अभियंता बनाया गया है। जबलपुर के प्रभारी चीफ इंजीनियर एस सी वर्मा को रीवा का प्रभारी चीफ इंजीनियर बनाया गया है। जिले सिंह बघेल प्रभारी मुख्य अभियंता रीवा को अब अधीक्षण यंत्री कार्यालय प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग भोपाल पदस्थ किया गया है। इस संबंध में राज्य शासन द्वारा आदेश जारी किए गए हैं।

पत्रकार स्वर्गीय श्री ओमप्रकाश तिवारी की 12वीं पुण्यतिथि पर अर्पित किये गए श्रद्धा-सुमन

छतरपुर। एनडीटीवी चैनल के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय श्री ओमप्रकाश तिवारी की शुक्रवार 3 जनवरी को 12वीं पुण्यतिथि स्थानीय गांधी आश्रम में मनाई गई। इस अवसर पर पत्रकारों ने अपने विचार रखे और कहा कि स्वर्गीय श्री ओमप्रकाश तिवारी की सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी ,कि युवा पत्रकार उनके पद चिन्हों पर चलकर कुछ सीखें। पत्रकार स्वर्गीय श्री तिवारी जी जीवन से जुझारू पत्रकारिता किस तरीके से की जाती है यह पता चलता है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में छतरपुर जिले के पत्रकारिता में नया आयाम हासिल किया है। इस अवसर पर पत्रकार जीवन के संघर्ष और सभी पत्रकारों से तालमेल बनाकर छतरपुर जिले के पत्रकारों को आगे बढना चाहिए। इस की कला भी ओमप्रकाश तिवारी में रही है। छतरपुर के पत्रकार जगत में स्वर्गीय श्री तिवारी का हमेशा अलग स्थान रहा है। इस अवसर पर छतरपुर जिले के वरिष्ठ पत्रकार श्याम अग्रवाल ने बताया कि ओमप्रकाश तिवारी हमेशा जुझारू पत्रकारों में से और छतरपुर जिले का ही नहीं पूरे बल्कि मध्यप्रदेश जिले में उनका नाम अलग माना जाता था। उन्होंने समाज के हित में काम करने के लिए बात को उठाया और कहा कि कोई भी पत्रकार हो अगर समाज के हित में काम करता है तो हम सभी पत्रकार उसके साथ रहेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार हरि अग्रवाल ने कहा है कि आज छतरपुर जिले को ओमप्रकाश तिवारी जी जैसे पत्रकार की आवश्यकता है। वहीं वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र व्यास ने ओम प्रकाश तिवारी के जीवन और उनकी पत्रकारिता के संबंध में प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि तिवारी जी बहुत जुझारू और लेखनी के धनी थे उन्होंने कभी किसी खबर के साथ समझौता नहीं किया है और उन्होंने एक गांव से निकलकर मध्य प्रदेश स्तर पर, अपनी अलग पहचान बनाई। इसके लिए आज के युवा पीढ़ी को देखना चाहिए और उनसे सीख लेना चाहिए। वहीं पत्रकार रविंद्र अजरिया ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए आज के समय के पत्रकारों को और छतरपुर जिले के पूर्व पत्रकारों के बारे में कहा कि जो आज के पत्रकार हैं एकता रखकर आगे बढ़ सकते हैं और कोई भी सामाजिक मुद्दे हो उस पर एकत्रित होकर उस पर अपने अपने विचार अलग-अलग हो सकते हैं मगर समाज के हित में काम करना चाहिए।

जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन सम्पन्न

बेगमगंज लोक नृत्य में प्रथम

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन गत दिवस रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, बांगरसिया में किया गया। युवा उत्सव रायसेन में 15 से 29 वर्ष की आयु के युवाओं ने अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक एंव साहित्यिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गई, जिसके परिणाम निम्नानुसार रहे- लोक नृत्य - मोनिका एण्ड, ग्रुप - प्रथम, सुश्री खुशी एण्डल ग्रुप बाडी - द्वितीय, सबिता एण्ड ग्रुप, सिलवानी, महक ग्रुप गैरतगंज - संयुक्त तृतीय भाषण - जीतेन्द्र ठाकुर बाडी - प्रथम, संजीत कुमार - आर एन टी यू - द्वितीय, श्री पुष्पेंद्र बंसल तृतीय कविता लेखन - पुष्पेंद्र बंसल औबेद्ल?लागंज प्रथम, सोनिया आर एन टी यू, द्वितीय, नंदनी साची तृतीय

पेंटिंग - कु. अंजली - आर एन टी यू - प्रथम, सुश्री संजना सिंह गैरतगंज - ?द्वितीय, सुश्री साधना कुमार तृतीय

विज्ञान मेला - अतुल कुमार - आर एन टी यू -प्रथम, समीर औबेदुल्लागंज द्वितीय एवं अंकित कुमार, मंडीदीप तृतीय युवा उत्सव का समापन एवं पुरस्कार वितरण शीला सुराणा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर ज़िला खेल और युवा कल्याण विभाग रायसेन जलज चतुर्वेदी, राष्ट्रीय सेवा योजना की जिला प्रभारी सीता सोनी , विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी रेखा , सहायक प्रभारी गब्बर सिंह , नेहरू युवा केंद्र के प्रदीप देशमुख विश्वविद्यालय के उप कुल सचिव सहित बड़ी संख्या में कला व संस्कृति मोटिवेटर उपस्थित थे।

करेली मंडी मे व्याप्त अराजकता व अव्यवस्थाओं को काबु न कर पाने से खफा किसान संघ द्वारा मंडी सचिव को दुबारा सौपा ज्ञापन.

नरसिंहपुर (गीत गोविंद पटेल)। कृषि उपज मंडी करेली मे सचिव की मनमानी के चलते किसानों को अनेकों परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिसको लेकर किसानों की समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु भारतीय किसान संघ द्वारा मंडी सचिव को पुनः एक और ज्ञापन सौपा गया है. जिसमें कहा गया है कि तौल करने के शेष बचे लगभग 20 से 50 किग्रा तक का अनाज हिम्मालों द्वारा स्वय ही सकेलकर रख लिया जाता है मना करने पर विवाद तक की स्थिति बनती है जिससे किसानों को नुकसान होता है किसान संघ का कहना है कि मुकादम को इसकी जवाबदेही सौपना चाहिए जबकि ऐसा न करते हुए सचिव इसी बात पर अड़े रहे कि इसकी जानकारी किसान ही हमे दे तब जाकर हम कार्यवाही करेंगे. इसके साथ ही मंडी मे किसानो को शुद्ध पेयजल सुलभ शौचालय की समुचित व्यवस्था और उसकी साफ सफाई सहित अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था उपलब्ध हो. अनाज गुड़ आदि की ट्रॉली खाली करने आए लोगों की जानकारी मंडी प्रशासन को हो. जिससे अराजकता फैलाने वालों को पहचाना जा सके और उन पर कार्रवाई की जा सके. इसके साथ ही ज्ञापन मे कहा गया है कि मंडी प्रशासन द्वारा जो प्राइवेट गार्ड जिन कार्यो के लिए रखे गए हैं उनसे वही कार्य लिए जावे जबकि कुछ गार्ड अपनी गार्ड की ड्यूटी के नाम पर भोले-भाले किसानों को टार्गेट बनाकर सोदा होने पर उनके अनाज के ढ़ेर की निशानदेही बोली करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को इंगित करते हैं जिससे वे उस ढ़ेर की बोली व्यापरियों से अधिक दामों मे लगवाते हुए मुनाफा वसूली करते हैं कई बार तो गार्ड अपने परिजनों के नाम पर भी सौदा कर स्वय ही भुगतान लेते हैं. इसमे एक ओर तो किसानों को कम दाम मिल पाता है तो दूसरी तरफ ऐसे चिन्हित सोदा को तेज भाव लेकर व्यापारी मंडी प्रशासन पर अन्य कार्यो हेतु दबाव बनाय रखने की भी संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है. जिसका उदाहरण यह है कि मंडी प्रांगण मे धर्म काटा मौजूद होने के वाबजूद भी इसे जानबूझकर कोई कारण बताकर इसे कई बर्षो से बंद कर रखा गया है जिससे कुछ व्यापारियों द्वारा मंडी के बाहर जाकर तोल कराई जा रही है. जिसमें मंडी टैक्स सहित अन्य गोलमाल खुलेआम चलने की संभावना भी है. तो कई वाहन ऐसे भी होते हैं जो बाहर से तौल कराकर वापिस आकर पर्ची बनवाने की बात कहकर मंडी से बाहर तो हो जाते हैं लेकिन वापिस नहीं आते हैं जिससे मंडी प्रशासन को सीधे तौर पर मंडी शुल्क सहित अन्य करों का भी भारी नुकसान होता है. पूर्व मे पुख्ता सूत्रों की जानकारी के अनुसार पत्रकारों द्वारा कई वाहनों पर मंडी सचिव से कार्यवाही भी कराई गई है.

किसान संघ के जिला उपाध्यक्ष चंद्रभान पटेल का कहना है कि मंडी सचिव श्री अरविंद मुद्गल कोई बात सुनने को तैयार नहीं रहते वे हमेशा अपनी ही शर्तो पर मंडी चलाने आमदा रहते हैं. इसके पूर्व मे भी लगभग दो माह पूर्व किसान संघ द्वारा एक और ज्ञापन सौपा गया था लेकिन मंडी प्रशासन द्वारा कोई खास ध्यान नहीं दिया गया जिससे हम बड़ी संख्या में किसानों की तरफ से आज पुनः से ज्ञापन सौंप रहे हैं और यदि उक्त समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपकर किसानो के साथ आन्दोलन करने मजबूर होंगे.

अबोध आदिवासी बालिका की गंभीर स्थिति में हत्या, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

इटारसी//नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा तहसील में एक अबोध बालिका की दुष्कर्म के बाद हत्या का गंभीर दर्दनाक मामला सामने आया है, इस मामले में आदिवासी समाज के मिडिया प्रभारी विनोद वारिवा ने बताया कि सर्व आदिवासी समाज संगठन इसकी निंदा करता है। सिवनी मालवा थाना प्रभारी अनूप सिह उईके ने परिजनों से निवेदन किया कि आरोपी को फांसी कि सजा हो ऐसी कार्रवाई करूंगा।

सिवनी मालवा में गुरूवार शुक्रवार दरमयानी रात करीब 3 बजे 6 साल की बच्ची के शव मिलने से सनसनी फ़ैल गई। आरोपी ने दुष्कर्म करने के बाद पकड़े जाने के डर से नादान की हत्या कर शव को ग्राम नयापुरा की नहर की पुलिया के पास फेंक दिया।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रात को ही घटना स्थल के पास से आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। मृतिका बच्ची के परिजनों ने बताया कि आरोपी का नाम अजय धुर्वे है। वह ग्राम खारदा का रहने वाला है जो ग्राम नयापुरा के खेत में काम करता था। आरोपी युवक ने दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या कर शव को नहर की पुलिया के पास फेंक दिया था। आरोपी के साथ घटना स्थल पहुँच घटना की दरमयानी रात बच्ची का शव पुलिस ने बरामद किया।

पुलिस ने शव को सिवनी मालवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई जहाँ चिकित्सकों की पैनल के द्वारा बच्ची के शव का पीएम किया गया। पीएम के बाद नाराज़ परिजनों सहित समाज के लोगों ने स्थानीय गाँधी चौक पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजन तथा सामाजिक लोग आरोपी को फांसी देने की मांग पर अड़े रहे। चक्काजाम के चलते बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा। किसी तरह परिजनों को समझाइश देकर पुलिस ने स्टांप पर लिखकर दिया तब परिजनों के साथ गुस्साई भीड़ ने चक्काजाम समाप्त कर शव का अंतिम संस्कार किया।

इनका कहना-

एक 6 वर्ष की अबोध बच्ची के साथ अजय नामक युवक जिसकी उम्र लगभग 30 वर्ष ने सोते में उठाकर जंगल में ले जाकर दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर शव नहर के पास फेंक दिया , पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है वही परिजनों को समझाइश दी जा रही है की चक्काजाम समाप्त कर शव का अंतिम संस्कार करे।

पुलिस ने कठोर? से कठोर कार्रवाई के लिए परिजनों को स्टांप पेपर पर लिख कर दिया है।

एसडीओपी थाना सिवनी मालवा

90 लाख रुपये से बन रहे इनडोर स्टेडियम का नगरपालिका अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

इटारसी। शहर के पलकमती नगर पुरानी इटारसी में 90 लाख रुपए से बन रहे इनडोर स्टेडियम का नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने निरीक्षण किया। इस दौरान सीएमओ रितु मेहरा, एई मीनाक्षी चौधरी, उपयंत्री आदित्य पांडे मौजूद थे। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने यहां निर्माण कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सीएमओ और इंजीनियर्स से कहा कि काम में तेजी लाए। नगरपालिका अध्यक्ष चौरे ने कहा कि यदि इस गति से काम होगा तो काफी समय लगेगा, 6 माह में इनडोर स्टेडियम बन जाए तो इसका लाभ जल्द ही खिलाडी लेने लगेंगे।

इंडोर स्टेडियम में होगी यह सुविधाएं - कवर्ड एरिया 8000 वर्ग फीटझ्र बैडमिंटन कोर्ट 4200 वर्ग फीट, टेबल टेनिस कोर्ट 1800 वर्ग फीट, जिमनेशियम 1500 वर्ग फीट, कार्यालय 450 वर्ग-फीट, ग्रीन रुम 600 वर्ग फीट, 10 सीटर टॉयलेट

सफाई मित्रों एवं स्वच्छता कार्य क्षेत्र से संबंधित प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला आयोजित

स्वईच्छसता कर्मियो का किया सम्मान्न

नगर पालिका परिषद छतरपुर द्वारा सफाई मित्रो कचरा बीने वालो एवं तरल अपशिष्टअ प्रबंधन ठोस अपशिष्टा प्रबंधन एवं पुराने के कचरे के उपचार हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री माधुरी शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमति ज्योति सुरेन्द्र चौरासिया एवं अध्यक्षता उपाध्यक्ष श्री विकेन्द्र वाजपेयी (मिंटू पण्डा) ने की इस कार्य हेतु मुख्यय प्रशिक्षक के रूप में पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी डी डी तिवारी को आर्मंत्रित किया गया उन्हो ने बताया कि सफाई मित्र सुरक्षा उपकरण पहिनकर ही सफाई का कार्य करे इसके लिये नगर पालिका द्वारा उन्हें फिलोरो सेंट जैकिट, मास्कि , दस्ताने , वर्दी, हैलमेट, का उपयो?ग करना है तथा नाली में सफाई करते समय गम्बूंट का उपयोग करना है स्व,च्छकता कर्मियो अनौपचारिक कचरा बीनने वालो स्वीसहायता समूहों तथा तरल अपशिष्ट प्रबधन में कार्य करने वाले ऑपरेटर्स को नगर पालिका सुरक्षा किट उपलब्धे करायेगी। वे कार्य क्षेत्र में इसका उपयोग अनिवार्य रूप से करे। कोई भी सैप्टिक टेंक हाथ से साफ नही किया जावेगा। इसके लिये मशीनीक़त व्येवस्थाप नगर पालिका द्वारा की गई है।

प्रत्येईक तीन साल सैप्टिंक टेंक की सफाई करवाना हर भवन स्वाममी की जिम्मेंदारी है। सफाई मित्रों को केन्द्र एवं राज्ये सरकार द्वारा संचालित तीन योजनाओ का लाभ भी दिया जावेगा। जिन्हेंं यह लाभ प्राप्तई न हुआ हो वह नगर पालिका आवेदन दे सकते है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती ज्योति सुरेन्द्र चौरासिया जी एवं उपाध्यक्ष श्री विकेन्द्र वाजपेयी (मिंटू पण्डा) ने स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों को स्टील के टिफिन एवं प्रषस्ति पत्र देकर श्रीमती रानी करोसिया ,संतोष ,अषीष बाल्मीकि, अनीता बाल्मीकि को सम्मानित किया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री माधुरी शर्मा ने कहा कि छतरपुर को सबसे स्वच्छ शहर का सम्मान दिलाने में आप सभी कि महत्वपूर्ण भूमिका है। किंतु अभी से और अधिक मेहनत करने से ही वांछित परिणाम मिल पायेगें । नोडल अधिकारी नीतेष चौरासिया ने सभी वार्डो में स्त्रोत स्थल पर गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग वाहन में डालने की जिम्मेदारी स्वच्छता पर्यवेक्षको को सौपी। स्वच्छता निरीक्षक संजेष नायक ने बताया कि हर वार्डको कचरा रहित बनाने के लिये स्वच्छता पर्यवेक्षक जिम्मेदार रहेंगें। कार्यषाला में देव पचौरी ,कुलदीप तिवारी , वार्ड पर्यवेक्षक एवं नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहें।

पुलिस ने ऐसा अजब काम किया कि ढोल धमाके के साथ महिला थाने पहुंची!

टीआई को हार पहनाकर उन्हें धन्यवाद दिया, स्टाफ को मिठाई खिलाई!

इंदौर। यहां पर खजराना थाने में एक महिला अपने परिवार के साथ ढोल बजाते हुए पहुंची और टीआई को माला पहना धन्यवाद कहा। उस महिला ने थाने में मौजूद स्टाफ को भी उसने मिठाई खिलाई। महिला के इस काम को देखकर लोग आश्चर्यचकित हो गए। दरअसल, बीते दिन महिला के बेटे की बाइक चोरी हो गई थी, जिसे पुलिस ने खोज निकाला, तो महिला की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

जब ये महिला खजराना थाने में अपने परिवार के साथ ढोल लेकर पहुंची, तो उसके हाथों में माला भी थी। उसने टीआई को माला पहनाकर धन्यवाद कहा और वहां पर मौजूद स्टॉफ को मिठाई खिलाई। बीते 10 अक्टूबर 2024 को महिला के बेटे की बाइक घर के बाहर से चोरी हो गई थी। बेटे ने यह बाइक बहुत मेहनत से कमाई करके खरीदी थी। उसने बाइक चोरी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी।

पुलिस ने अपनी खोजबीन के दौरान सीहोर में एक बाइक चोर गैंग को पकड़ा, जिसमें उसके बेटे की भी बाइक बरामद हुई। ऐसे में महिला खुश हुई और आंसू बहाने लगी। उसने टीआई से कहा कि मैं गरीब हूं, लेकिन इस बाइक को खरीदने के लिए मैंने बहुत मेहनत की थी। खजराना पुलिस ने मेरी बाइक वापस दिलाने के लिए बहुत मेहनत की।

इस महिला का ये काम कैमरे में कैद हो गया, जिसे देखकर लोगों के दिल में पुलिस के प्रति सम्मान और आदर बढ़ा। महिला का पुलिस के प्रति ऐसा आदर भाव देखकर लोग महिला की तारीफ कर रहे हैं, साथ ही साथ पुलिस के कामों की सराहना भी कर रहे हैं। इस तरह का नजारा जहां एक तरफ पुलिस वालों का उत्साह बढ़ाता है।

सोशल मीडिया से

6 आईएएस अधिकारियों के दायित्वों में फेर बदल, किदवई को मिली बड़ी जिम्मेदारी, आकाश त्रिपाठी बने एडिशनल सेक्रेटरी पावर

नई दिल्ली- केंद्र सरकार ने आज एडिशनल सेक्रेटरी स्तर के 6 ढ्ढस् अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1996 बैच के अधिकारी मध्य प्रदेश कैडर के फ़ैज़ अहमद किदवई एडिशनल सेक्रेटरी कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय को अब डायरेक्टरेट जनरल आफ सिविल एविएशन में डायरेक्टर जनरल पदस्थ किया गया है। मध्य प्रदेश कैडर के ही 1998 बैच के ढ्ढस् अधिकारी आकाश त्रिपाठी ष्टश्वह्र स्श्व त्तश्वद्ध को पावर मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी बनाया गया है। इसके अलावा 1998 बैच के तीन आईएएस अधिकारियों की नई पदस्थापना और 1999 बैच के एक अधिकारी को जॉइंट सेक्रेटरी से एडिशनल सेक्रेटरी पद पर प्रमोट किया गया है।

टाटा मोटर्स ने पंतनगर में कर्मचारियों के आने-जाने के लिए इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई

पंतनगर। भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता, टाटा मोटर्स ने आज उत्तराखंड में अपनी पंतनगर फैक्ट्री में कर्मचारियों के आने-जाने के लिए समर्पित इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। देश में बनाई गई शून्य उत्सर्जन वाली ये बसें नवीनतम सुविधाओं से लैस हैं और उन्नत बैटरी सिस्टम से चलती हैं। टाटा मोटर्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडिएरी, टीएमएल स्मार्ट सिटी मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड (टीएससीएमएसएल) आधुनिक टाटा अल्ट्रा 9 मीटर इलेक्ट्रिक बसों के साथ कर्मचारियों के आने-जाने की यह सुविधा प्रदान करेगी। सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा मुहैया करने के लिए डिज़ाइन की गई, यह ई-बस सेवा 5,000 से अधिक लोगों को स्वच्छ और हरित परिवहन प्रदान करके कार्बन फुटप्रिंट में कटौती करेगी और सालाना 91,100 टन सीओ2 उत्सर्जन की बचत करेगी। 16 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र से उत्पन्न बिजली इन सभी ई-बसों को चार्ज करेगी, जिससे पूरा परिचालन शुरू से लेकर अंत तक पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकेगा।

एसआरएमआईएसटी में सिगारम यूथ फेस्ट सफलतापूर्वक संपन्न

चेन्नई, एजेंसी। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी), कत्तनकुलथुर ने 38वें एआईयू इंटर-यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल, एसआरएम सिगारम की मेजबानी की। यह कार्यक्रम एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के शताब्दी वर्ष का प्रतीक था। सिगारम यूथ फेस्ट में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों की अद्भुत प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक और बौद्धिक कार्यक्रमों की श्रृंखला मुख्य आकर्षण रही। यह पांच दिवसीय उत्सव विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भरा हुआ था और इसका उद्घाटन एसआरएमआईएसटी के संस्थापक चांसलर डॉ. टी.आर. पारिवेंधर ने किया। अपने भाषणों में एसआरएमआईएसटी के वाइस चांसलर और एआईयू की एडिशनल सेक्रेटरी ममता अग्रवाल ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवाओं के सशक्तिकरण के महत्व पर जोर दिया।

ऑप्टिमस ने भारत में ड्रोन आधारित स्पेक्ट्रम एनालाइजर सॉल्यूशंस लांच करने के लिए जर्मनी की एलएस स्पेक्ट्रम से साझीदारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के अग्रणी समूह ऑप्टिमस इंफ्राकॉम लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी ऑप्टिमस अनमैन्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (ओयूएस) ने भारतीय बाजार में एलएस स्पेक्ट्रम के अत्याधुनिक ड्रोन आधारित स्पेक्ट्रम एनालिसिस सॉल्यूशंस की मार्केटिंग, अंसेबली और वितरण करने के लिए जर्मनी स्थित एलएस टेलीकॉम एजी की अनुषंगी कंपनी एलएस स्पेक्ट्रम सॉल्यूशंस प्रा. लि. के साथ साझीदारी की आज घोषणा की। अपने ड्रोन व्यवसाय और मेक इन इंडिया को और गति देते हुए ऑप्टिमस की एलएस स्पेक्ट्रम के साथ साझीदारी, इसकी रक्षा पेशकश में पासा पलटने वाली साबित होगी और यह इस बाजार में कंपनी को और मजबूती प्रदान करेगी। इस रणनीतिक साझीदारी के जरिए शुरुआत में ऑप्टिमस एलएस स्पेक्ट्रम के लिए एडवांस्ड स्पेक्ट्रम एनालाइजर ड्रोन की बिक्री करेगी।

सोनी लिव पर राजश्री प्रोडक्शन्स की पेशकश बड़ा नाम करेंगे का जल्द होगा प्रसारण

मुंबई एजेंसी। सूरज आर. बड़जात्या के साथ ओटीटी पर प्यार और परिवार के अनमोल जादू का अनुभव करने के लिये तैयार हो जाईये। दिल को छू लेने वाली कहानियों और पारिवारिक मूल्यों की समृद्ध परंपरा के साथ, राजश्री प्रोडक्शन्स अपने बहुप्रतीक्षित डिजिटल डेब्यू बड़ा नाम करेंगे के साथ नया अध्याय शुरू कर रहा है। पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित यह श्रृंखला एक ऐसी प्रेम कहानी है, जो जड़ों की ओर लौटने का संदेश देती है। यह दिलों को छू लेने वाली कहानी सोनी लिव पर जल्द ही प्रीमियर के लिए तैयार है। आज रिलीज़ हुए टीज़र में, हमें एक ऐसी कहानी का झलक मिलती है, जो हंसी, प्यार और परिवार के अनमोल रिश्तों से भरी हुई है। बड़ा नाम करेंगे में ऋषभ और सुरभि की यात्रा को दिखाया गया है, जिनकी अरेंज्ड शादी उनके अतीत की गूंज के साथ एक खूबसूरत और अप्रत्याशित मोड़ लेती है। हंसी-खुशी की मजेदार घटनाओं और पलों के बीच, वे एक ऐसे कनेक्शन की तलाश में निकल पड़ते हैं, जो सभी उम्मीदों से परे हों।

एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में मध्य प्रदेश के किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

खरगोन। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने रबी, 2024-25 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फसलों के अनुसार अंतिम तिथियाँ निम्नलिखित हैं- पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफ़ान, तूफ़ानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों और अन्य बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी।

यूजीसी को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, कॉलेजों में जातीय भेदभाव पर संवेदनशीलता जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जातिगत भेदभाव को गंभीर और संवेदनशील मुद्दा करार दिया। शीर्ष अदालत ने इसे रोकने के लिए एक प्रभावी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को निर्देश दिया कि वह नियमों का एक प्रारूप तैयार करे, जिससे केंद्रीय, राज्य, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में छात्रों के साथ जातिगत भेदभाव पर रोक लगाई जा सके।

कोर्ट ने यूजीसी से यह जानकारी मांगी कि 2012 में बनाए गए नियमों के तहत कितने शिक्षण संस्थानों में 'समान अवसर प्रकोष्ठ' स्थापित किए गए हैं। ये नियम उच्च शिक्षा में समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू किए गए थे और इन्हें 'यूजीसी समानता नियम' के नाम से जाना जाता है। बेंच ने कहा कि यह एक संवेदनशील मुद्दा है, जिसे गंभीरता से लिया जा रहा है। कोर्ट ने कहा, ÷हम इस विषय पर ठोस कदम उठाएंगे और 2012 के नियमों को प्रभावी बनाने के लिए एक कारगर व्यवस्था और तरीका सुनिश्चित करेंगे।÷

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार से जवाब तलब किया और यूजीसी को निर्देश दिया कि वह सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव से संबंधित शिकायतों और उनके निपटारे की जानकारी छह हफ्ते के भीतर प्रस्तुत करे। वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कोर्ट को जानकारी दी कि 2004 से अब तक आईआईटी और अन्य संस्थानों में 50 से अधिक छात्रों ने जातिगत भेदभाव के चलते आत्महत्या की है। इनमें से अधिकांश छात्र अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों से थे। जयसिंह, छात्र रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं की ओर से कोर्ट में पेश हुईं। रोहित वेमुला हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीएचडी के छात्र थे, जिन्होंने 17 जनवरी 2016 को आत्महत्या कर ली। वहीं, पायल तड़वी टीएन टोपीवाला नेशनल मेडिकल कॉलेज की छात्रा थीं, जिन्होंने 22 मई 2019 को आत्महत्या की। पायल को कथित तौर पर अपने कॉलेज के तीन डॉक्टरों से जातिगत भेदभाव का सामना करना पड़ा था। कोर्ट ने बताया कि 2019 में इस मुद्दे पर एक जनहित याचिका (पीआईएल) दाखिल की गई थी, लेकिन अभी तक इस पर कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अब इस याचिका को नियमित सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा, ताकि इस मामले का प्रभावी समाधान निकल सके। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 से अब तक कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है, इसलिए इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

संजय दत्त ने बागेश्वरधाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ तस्वीर सोशल एकाउंट फेसबुक पर की पोस्ट

छतरपुर- बॉलीवुड के धुरंधर अभिनेता संजय दत्त ने बागेश्वरधाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ तस्वीर डाल सोशल एकाउंट फेसबुक पर एक पोस्ट लिखी है। संजय दत्त ने लिखा है कि श्री धीरेन शास्त्रीजी बागेश्वर धाम का मेरे घर आना और हम सभी को आशीर्वाद देना एक सम्मान और आशीर्वाद था। गुरुजी और मैं भाइयों की तरह परिवार की तरह हैं, जय भोले नाथ

राजेश शर्मा के एक शौक से उलझे बेनामी प्रापर्टी वाले अफसर

राजधानी भोपाल में जमीन की खरीद-फरोख्त के मामले में आयकर विभाग के लपेटे में आए त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के सर्वेसर्वा राजेश शर्मा और उनकी पत्नी राधिका शर्मा को बेनामी संपत्ति का नोटिस जारी किया गया है। त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के सर्वेसर्वा राजेश शर्मा के एक शौक ने कई अफसरों की रात की नींद हराम कर दी है। राजेश के साथ मिलकर बेनामी संपत्तियां खरीदने वाले अफसरों की कुंडलियां आयकर विभाग तलाश रहा है। तार जोड़ रहा है। राजेश के पास से मिली डायरियों और अन्य कागजों से कई नामों की चर्चा पहले ही हो रही है। अब एक नया खुलासा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश शर्मा को लोगों से बातचीत की रिकॉर्डिंग रखने का शौक था। बताया जा रहा है कि आयकर विभाग को ये रिकॉर्डिंग हाथ लग चुकी हैं। ऐसे में अब आयकर के अफसर उन अधिकारियों के नाम तलाश रहे हैं, जो राजेश शर्मा के माध्यम से बेनामी संपत्तियां खरीद रहे थे। बता दें कि इस मामले मे पहले ही पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस का नाम चर्चा में आ चुका है। बैंस के साथ राजेश शर्मा के तार जोड़े जा चुके हैं। इस मामले में सेंट्रल पार्क प्रोजेक्ट के मालिक कुणाल अग्रवाल का नाम भी जोड़ा जा चुका है।

राजधानी भोपाल में जमीन की खरीद-फरोख्त के मामले में आयकर विभाग के लपेटे में आए त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के सर्वेसर्वा राजेश शर्मा और उनकी पत्नी राधिका शर्मा को बेनामी संपत्ति का नोटिस जारी किया गया है। कुल 24 संपत्तियों को लेकर ये नोटिस जारी हुआ है। संपत्तियों की कुल कीमत गाइडलाइन के अनुसार लगभग 40 करोड़ रुपए है, लेकिन बाजार मूल्य 250 करोड़ रुपए आंका गया है। आपको बतो दें कि विभाग द्वारा बेनामी संपत्ति अधिनियम के तहत नोटिस जारी किया गया है। इन संपत्तियों की खरीद बिक्री पर भी रोक लगा दी गई है, यानी अब राजेश शर्मा और उनकी पत्नी को इन संपत्तियों से जुड़ी जानकारी विभाग को देनी होगी, साथ ही आय का सोर्स भी बताना होगा। जानकारी न मिलने पर ये संपत्तियां जब्त की जा सकती हैं।

महेंद्र गोयनका से देर रात तक की पूछताछ, राजेश शर्मा की प्रॉपर्टी अटैच

41-41 लाख के 3 प्लॉट (सेंट्रल प्रोजेक्ट, भोपाल)
66 लाख 21 हजार का एक प्लॉट (सेंट्रल प्रोजेक्ट, भोपाल)
45 लाख 10 हजार का एक प्लॉट (सेंट्रल प्रोजेक्ट, भोपाल)
हुजूर स्थित 14 लाख 94 हजार की भोपाल स्थित 2 संपत्तियां
32 लाख 94 हजार की जमीन
47 लाख 14 हजार हुजूर स्थित जमीन
29 लाख 6 हजार बरखेड़ा स्थित जमीन
राजेश शर्मा के नाम पर
49 लाख 50 हजार का भोपाल में एक बंगला
3 अन्य संपत्तियां और हैं जिनकी कीमत नहीं बताई गई।

एथर एनर्जी लिमिटेड ने एथर 450 पेश किया

बैंगलोर, एजेंसी। इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता एथर एनर्जी लिमिटेड ने आज अपना 2025 एथर 450 कई नए अपडेट्स के साथ पेश किया। 450एक्स और 450 एपेक्स स्कूटरों में ज्यादा सुरक्षा के लिए तीन अलग-अलग मोड्स के साथ मल्टी-मोड ट्रैक्शन कंट्रोल और शहरी ट्रैफिक में ज्यादा सुविधाजनक राईड के लिए मैजिकट्विस्टञ्जरूदिया गया है।

एथर एनर्जी के चीफ बिज़नेस ऑफिसर, रवनीत एस फोकेला ने कहा, ''एथर 450 को परफॉर्मेंस के लिए बनाया गया है। हम सालों से सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में सुधार करते हुए 450 स्कूटर श्रृंखला की परफॉर्मेंस बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अब अपने 2025 एथर 450 के साथ हम अपने स्कूटर्स की सुरक्षा बढ़ा रहे हैं। हमने 2025 एथर 450 में मल्टी-मोड ट्रैक्शन कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए हैं, जो आम तौर से हाई एंड मोटरसाईकलों में मिलते हैं। इस फीचर द्वारा राईडर भिन्न-भिन्न तरह की सड़कों पर बेहतर कंट्रोल और स्टेबिलिटी प्राप्त करते हैं। हमने 450 एपेक्स और रिज़्टा के बाद 450एक्स में भी मैजिकट्विस्टञ्जरूपेश किया है। हमें उम्मीद है कि इन अपडेट्स के साथ स्कूटर प्रेमियों को देश में राईडिंग का और ज्यादा बेहतर अनुभव प्राप्त होगा।''

2025 एथर 450एक्स और एथर 450 एपेक्स मॉडलों में मल्टी-मोड ट्रैक्शन कंट्रोल दिया गया है। यह फीचर चिकनी सतह पर स्कूटर को फिसलने से बचाने और राईडर की सुरक्षा बढ़ाने के लिए डिज़ाईन किया गया है। ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम फिसलनी सतह पर रियर व्हील और फ्रंट व्हील में तालमेल बनाकर बेहतर स्टेबिलिटी प्रदान करता है। इसमें तीन अलग-अलग मोड - रेन मोड, रोड मोड, और रैली मोड हैं, जो राईडिंग की अलग-अलग परिस्थितियों के अनुरूप कंट्रोल के लिए फाईन ट्यून किए गए हैं। रेन मोड में सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। यह गीली और फिसलनभरी सड़क पर ग्रिप बढ़ाकर स्कूटर को फिसलने से बचाता है। रोड मोड को सुरक्षा और परफॉर्मेंस में संतुलन बनाकर दैनिक राईडिंग के अनुरूप डिज़ाईन किया गया है। रैली मोड को ऑफ-रोडिंग में कंट्रोल प्रदान करने के लिए डिज़ाईन किया गया है। इस फीचर से न केवल राईडर की सुरक्षा बढ़ती है, बल्कि परफॉर्मेंस में भी सुधार होता है, जिससे हर परिस्थिति में स्कूटर से सबसे अच्छी परफॉर्मेंस और कंट्रोल का आत्मविश्वास मिलता है।

राईडिंग के अनुभव में और ज्यादा सुधार करने के लिए एथर ने 2025 एथर 450 में एमआरएफ के साथ मिलकर विकसित किए गए मल्टी-कंपाउंड टायर पेश करके रेंज को और ज्यादा बढ़ा दिया है। इसके अलावा, मैजिकट्विस्टञ्जरूजैसे फीचर्स की मदद से एनर्जी के उपयोग को ऑप्टिमाईज़ करके ब्रेकिंग के दौरान एनर्जी लॉस फ्रिक्शन को कम कर दिया गया है, जिससे रेंज में और ज्यादा सुधार हो गया है। इसलिए एथर 450एक्स 3.7 किलोवॉटघंटा (आईडीसी रेंज 161 किलोमीटर) और 450 एपेक्स (आईडीसी रेंज 157 किलोमीटर) से 130 किलोमीटर तक की ट्रूरेंज मिलती है। 450एक्स 2.9 किलोवॉटघंटा (आईडीसी रेंज 126 किलोमीटर) और एथर 450 एस (आईडीसी रेंज 122 किलोमीटर) से 105 किलोमीटर तक की ट्रूरेंज मिलेगी।

मैजिकट्विस्टञ्जरूफीचर पहले 450 एपेक्स में और फिर रिज़्टा जैड में पेश किया गया था। अब यह 2025 450एक्स में भी मिल रहा है। मैजिकट्विस्टञ्जरूको राईडर की सुविधा और कंट्रोल बढ़ाने के लिए डिज़ाईन किया गया है। इस फीचर द्वारा राईडर एक्सीलेरेटर की मदद से अपने स्कूटर की गति बढ़ा या घटा सकते हैं। मैजिकट्विस्ट थ्रॉटल द्वारा राईडर बैटरी के हर चार्ज लेवल पर जब एक्सीलेरेटर को सीधी दिशा में घुमाते हैं, तब स्कूटर की गति बढ़ती है, और जब एक्सीलेरेटर को उल्टी दिशा में घुमाया जाता है, तो स्कूटर की गति कम होती है।

सैमसंग इंडिया ने बिग टीवी डेज़ कैम्पेन की घोषणा की, एआई-पावर्ड प्रीमियम टीवी की रेंज पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठाएं

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत का सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने नए साल और गणतंत्र दिवस के मौके पर बिग टीवी डेज़ कैम्पेन लॉन्च किया है। इसमें बड़े स्क्रीन वाले प्रीमियम टीवी पर शानदार ऑफर्स दिए जा रहे हैं। इनमें नियो क्यूएलईडी 8 के, नियो क्यूएलईडी 4 के, ओएलईडी और 4 के यूएचडी टीवी के मॉडल शामिल हैं। यह कैम्पेन 3 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक चलेगा।

जो उपभोक्ता अपने घर पर मनोरंजन के अनुभव को और बेहतर बनाना चाहते हैं, वे इस अविश्सवनीय मौके का लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग चुनिंदा खरीदारी पर 2,04,990 रुपये तक का मुफ्त टीवी और 99,990 रुपये तक के मुफ्त साउंडबार्स दे रहा है। सैमसंग के प्रीमियम टीवी देश भर में लोगों के लिए टीवी देखने के अनुभव को बेहतर बना रहे हैं। यह एआई अपस्केलिंग और शानदार तकनीक से लैस हैं। इनसे तस्वीरें और अधिक स्पष्ट, साफ और असली लगती हैं। नए साल में सैमसंग उपभोक्ताओं को क्रांतिकारी ऑडियो-विजुअल अनुभव देने के लिए तैयार है। ग्राहक 20त्न तक कैशबैक, ज़ीरो डाउन पेमेंट और 30 महीने तक की सबसे कम ईएमआई का लाभ उठा सकते हैं।

राजेश शर्मा और गोयनका पर एक्शन, मगर रामकुमार सिकरवार पर फंदा कब?

मध्यप्रदेश। खुद को राजकुमार सिकरवार का रिश्तेदार बताकर ब्यूरोक्रेसी में अपने संबंध बनाने वाले रामवीर की कहानी भी अलग ही है। ह्लद्गद्ब्रश्वश्ह्ल-को हाथ लगे कुछ सबूतों के जरिए आज आपको बताएंगे इसी कहानी कोज त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के सर्वेसर्वा राजेश शर्मा और महेंद्र गोयनका के खेल को तो आयकर विभाग ने उजागर कर दिया। इस मामले में 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति भी अटैच कर दी, मगर उसी दिन कई और ÷जमीन के दीवानों÷ के यहां छापे पड़े थे, जिनका कनेक्शन अभी तक उजागर नहीं हुआ है।

इन लोगों में सिर्फ 2000 रुपए महीने की नौकरी से शुरुआत करने वाले कंस्ट्रक्शन कारोबारी बने रामवीर सिंह सिकरवार तक एजेंसी के हाथ कब पहुंचेंगे? वैसे खुद को राजकुमार सिकरवार का रिश्तेदार बताकर ब्यूरोक्रेसी में अपने संबंध बनाने वाले रामवीर की कहानी भी अलग ही है। ह्लद्गद्ब्रश्वश्ह्ल-को हाथ लगे कुछ सबूतों के जरिए आज आपको बताएंगे इसी कहानी कोज

इन लोगों पर हुआ था आयकर का एक्शनज

19 दिसंबर को जब त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के राजेश शर्मा पर आयकर की छापामारी हुई, उसी दिन पूरे प्रदेश में 50 अन्य जगहों पर भी ढ्ढञ्ज की रेड पड़ी थी। इन लोगों में

राजकुमार सिकरवार (कंस्ट्रक्शन कारोबारी)
रामवीर सिंह सिकरवार (कंस्ट्रक्शन कारोबारी)
विश्वनाथ साहू (रियल एस्टेट कारोबारी)
दीपक भावसार (पूर्व मंत्री के करीबी)
विनोद अग्रवाल (रियल एस्टेट कारोबारी)
प्रदीप अग्रवाल (रियल एस्टेट कारोबारी)
रूपम सेवानी (रियल एस्टेट कारोबारी)

के अलावा कुणाल अग्रवाल, अल्का अग्रवाल, वीरेंद्र पाल सिंह, हरदीप कौर, तेजींदर सिंह, सूरजीत कौर, राकेश शर्मा, किशोरी देवी शर्मा, संजय जैन, राधिका शर्मा और प्रेम नारायण शर्मा का नाम सामने आया था। तब दीपक भावसार का नाम खास तौर पर चर्चा में आया था। क्योंकि वह एक प्रभावशाली पूर्व मंत्री के बेहद करीबी है। इसी तरह एक पूर्व मुख्य सचिव का नाम भी उछल रहा है।

सिर्फ दो लोगों पर हुआ एक्शन

अब तक जो कुछ कार्यवाही हुई है उसमें मुख्यतौर पर राजेश शर्मा और महेंद्र गोयनका पर ही कार्यवाही हो पाई है। इसके अलावा सेंट्रल पार्क के बिल्डर कुणाल अग्रवाल और पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस का नाम चर्चा में रहा है। बाकी सारे नामों से फिलहाल कोई कनेक्शन उजागर नहीं हो सका है। इधर मामूली हैसियत से निकलकर चंद सालों में बिल्डर बनने वाले रामवीर सिंह सिकरवार और ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर की नजदीकियां जग-जाहिर हो ही चुकी हैं। बताया जा रहा है कि रामवीर सिंह किसी जमाने में सिर्फ दो हजार रुपए महीने की नौकरी किया करता था, मगर आज बड़े बिल्डरों में शुमार है। इतना ही नहीं रामवीर सिंह सिकरवार ने कभी सब्जी तो कभी दूध डेयरी का काम भी किया। थोड़ा काम जमा तो पेवर ब्लॉक की फैक्ट्री लगाई और उसके बाद पेट्रोल पम्प भी डाला।

रामवीर सिंह ने खुद के राजकुमार सिकरवार की रिश्तेदारी का हवाला देकर ब्यूरोक्रेसी में पैठ बनाई और अफसरों के लिए वन टू का फोर करने लगा। अब प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि उसकी लाटरी तब खुली, जब एक ढ्ढस् अफसर की एक्सीडेंट में मौत हो गई और उनके पैसों को रामवीर ही मैनेज करता था। पैसा आने के बाद वह राजनीति में भी आ गया और नीलबाड़ रातीबड़ इलाके में अधिकारियों के पैसे से जमीनों का काम कर काले धन को सफेद का काम करने लगा। बता दें कि रामवीर ने भोपाल के ही दो बिल्डरों के साथ पार्टनरशिप में कोलार रोड पर भी एक प्रोजेक्ट शुरू किया था, पार्टनरों से विवाद के बाद उसे अलग कर दिया गया।

सबके सब ऊंचे ओहदों के मालिक, लेकिन जमीनों के दीवाने

राजेश शर्मा - त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक राजेश शर्मा न केवल कंस्ट्रक्शन के धंधे में हैं, बल्कि भोपाल में क्रशर संचालकों के संगठन का नेतृत्व भी करते हैं। उनका नाम बिल्डर और जमीन के बड़े खेल में भी शामिल है।

दीपक भावसार - पूर्व मंत्री के खास माने जाने वाले दीपक भावसार राजधानी के बेहद प्रतिष्ठित क्लब के अन ऑफिशियल संचालक हैं। यह भी पता चला है कि दीपक के माध्यम से ही भोपाल से संचालित एक बड़े अखबार समूह के परिवार के सदस्य का नाम भी प्राइम लोकेशन की जमीन के लेन-देन में शामिल है।

रूपम सेबानी - भोपाल के न्यू मार्केट में 400 करोड़ के होटल प्रोजेक्ट का मालिकाना हक रखने वाले रूपम सेबानी का नाम स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से भी जुड़ा है।

विनोद अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल - दोनों भाई हैं, जो क्वालिटी बिल्डर के नाम से फर्म चलाते हैं। बता दें कि प्रदीप अग्रवाल भोपाल के चर्चित प्यारे मियां कांड में भी लिप्त था। उस पर भी नाबालिक लड़कियों के यौन शोषण मामले में स्न्ढ्ढक्रहुई थी।

45 किलो रुद्राक्ष धारण करने वाले महाराज बने महाकुंभ 2025 में आकर्षण का केंद्र

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के शुरू होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं और संगम तट पर साधु-संतों का जमावड़ा पहले से ही लग चुका है। इस वर्ष महाकुंभ में एक साधु हैं, जिनकी साधना और संकल्प उन्हें श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय बना रहे हैं। ये साधु हैं गीतानंद गिरी महाराज, जो 45 किलो रुद्राक्ष धारण करने के कारण आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

सवा दो लाख रुद्राक्ष धारण करने का अनूठा संकल्प- गीतानंद गिरी महाराज ने 2019 में प्रयागराज के कुंभ मेला के दौरान एक अनोखा संकल्प लिया था। उन्होंने प्रतिदिन सवा लाख रुद्राक्ष धारण करने का संकल्प किया था। इस संकल्प को आज पूरे छह साल हो चुके हैं और अब उनकी रुद्राक्ष की संख्या सवा दो लाख को पार कर चुकी है। यह रुद्राक्ष का वजन 45 किलो से अधिक है, जो उन्हें एक अद्भुत रूप में प्रस्तुत करता है।

गीतानंद गिरी महाराज का कहना है कि वे 24 घंटे रुद्राक्ष धारण नहीं करते, बल्कि दिन में केवल सुबह 5 बजे से शाम 5 बजे तक रुद्राक्ष पहनते हैं। इस दौरान वे केवल हल्का

भोजन ग्रहण करते हैं और पूरी तरह से तपस्या में लीन रहते हैं। उनका यह विशेष संकल्प और साधना उन्हें एक विशिष्ट

पहचान दिलाता है।

गीतानंद गिरी महाराज ने अपने जीवन के कुछ दिलचस्प पहलुओं को साझा किया। वे एक ब्राह्मण परिवार से हैं और उनके पिता भारतीय रेलवे में टीटी के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता संतान प्राप्ति के लिए कई वर्षों तक संघर्ष कर रहे थे, और उनके जीवन में बदलाव तब आया जब उन्हें गुरुजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इसके बाद उन्होंने अपनी संतान को गुरुजी को समर्पित कर दिया। महाराज ने यह भी बताया कि वे पंजाब में गुरुजी के पास बड़े हुए और तब से ही उन्होंने गुरु सेवा और संन्यासी जीवन जीना शुरू कर दिया। वे संस्कृत माध्यम से हाई स्कूल तक शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं।

गीतानंद गिरी महाराज का यह संकल्प और उनके जीवन के अनसुने पहलू उन्हें महाकुंभ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहे हैं। उनकी साधना, समर्पण और तपस्या महाकुंभ की आध्यात्मिकता को और गहराई प्रदान कर रही है। उनके दर्शन के लिए भक्तों की लंबी लाइनें लगी रहती हैं और वे महाकुंभ में एक प्रतीक के रूप में स्थापित हो गए हैं।

देश की क्षमता के सदुपयोग के लिये सही दिशा में प्रयास आवश्यकः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वैभवशाली नेतृत्व में आज भारत में अपार संभावनाएं हैं। देश की क्षमता के सदुपयोग के लिये सही दिशा में प्रयास आवश्यक है। इसके लिए आवश्यक है कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले प्रोफेशनल्स पूरी निष्ठा के साथ देश के निर्माण में अपना योगदान दें। सभी अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि युवा शक्ति और वरिष्ठों के सतत मार्गदर्शन में भारत 2047 तक विश्वगुरु बनेगा।उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल होटल जहांनुमा पैलेस भोपाल में आईसीएसआई (इंस्टिट्यूट ऑफ़ कंपनी सेक्रेटरीज़ ऑफ़ इंडिया) की एमपी स्टेट कॉन्फ्रेंस-2025 ÷संकल्प÷ में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि देश में तेज गति से विकास हो रहा है। औद्योगीकरण को गति मिली है। विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप, कंपनियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। आज देश में प्रदेश में सकारात्मक वातावरण है। पूरा विश्व भारत को आशा की नज़रों से देख रहा है। कंपनियों का संचालन नियम अनुसार हो और वे सहजता से देश के विकास में सहभागी बनें इसके लिए कंपनी सेक्रेटरीज की भूमिका अहम है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कॉन्फ्रेंस की सफलता की शुभकामना दी। महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय, संचालक ऐप्पा श्री राजेश गुप्ता, आईसीएसई के वाईस प्रेसिडेंट श्री धनंजय शुक्ला सहित आईसीएसआई के पदाधिकारी और कंपनी सेक्रेटरीज़ उपस्थित रहे।

आज बागसेवनिया स्थित संस्कृत महा विद्यालय में संस्कृत भारती मध्य भारत 03 दिवसीय प्रान्त सम्मेलन कार्यक्रम का दीप प्रज्जुलित कर उद्घाटन किया इस अवसर पर राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल एवम संस्कृत के विद्यावान गण उपस्थित रहे।

मौसम का मिजाजः ग्वालियर-चंबल में घना कोहरा, 23 जिलों में असर

भोपाल। मध्यप्रदेश के ग्वालियर, चंबल और रीवा संभाग के 12 जिलों में आज घना कोहरा है। वहीं, 11 जिलों में मध्यम कोहरा छाया हुआ है। कुछ जगहों पर विजिबिजिटी 100 मीटर से भी कम है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2 दिन प्रदेश में कोहरे और तेज ठंड का असर रहेगा। इसके बाद थोड़ी राहत मिलेगी। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि 6 और 7 जनवरी को कोहरा छंट जाएगा। दिन-रात के टेम्परेचर में बढ़ोतरी होगी। कुछ दिन उतार-चढ़ाव के बाद कड़ाके की ठंड का असर फिर से बढ़ेगा।

मौसम केंद्र के अनुसार जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में बर्फबारी होने से सर्द हवाएं प्रदेश में आ रही हैं। अभी 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 222 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम चल रही है। इस कारण ठंड का असर है। आने वाले दिनों में बर्फ पिघलेगी। जिससे हवा की रफ्तार तेज होगी और प्रदेश में ठंड का असर बढ़ जाएगा। इस कारण जनवरी में प्रदेश का मौसम ठंडा ही रहेगा। 20 से 22 दिन तक शीतलहर चलने का अनुमान है।

कल 5 जनवरी को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में मध्यम से घना कोहरा रहेगा। 6 जनवरी को कुछ जिलों में कोहरे का असर देखने को मिल सकता है। रातें भी ठंडी ही रहेंगी।

रात का टेम्परेचर 10 डिग्री से नीचे

मध्यप्रदेश में फिलहाल रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार-शुक्रवार की रात में कई शहरों में कड़ाके की ठंड रही। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 7 डिग्री, जबलपुर में 7.2 डिग्री, ग्वालियर में 7.7 डिग्री, उज्जैन में 9.5 डिग्री और इंदौर में 11.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

सबसे ठंडे मंडला और कल्याणपुर

प्रदेश में सबसे ठंडे मंडला और शहडोल का कल्याणपुर रहे। यहां न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री दर्ज किया गया। नौगांव में 4.4 डिग्री, पचमढ़ी में 4.6 डिग्री, शाजापुर के गिरवर में 4.6 डिग्री, अशोकनगर के आंवरी में 5.5 डिग्री, नीमच के मरुखेड़ा में 6.3 डिग्री, रीवा-उमरिया में 6.4 डिग्री, बालाघाट के मलाजखंड में 6.8 डिग्री, रायसेन में 7.6 डिग्री, सतना-टीकमगढ़ में 7.8 डिग्री, खजुराहो में 8.2 डिग्री, छिंदवाड़ा-सीधी में 8.6 डिग्री, खंडवा में 9 डिग्री, बैतूल-रतलाम में 9.2 डिग्री, गुना-सिवनी में 9.4 डिग्री और दमोह में 9.5 डिग्री तापमान रहा।

हालांकि, शुक्रवार को दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, शिवपुरी, रतलाम, धार समेत सभी शहरों के पारे में 1 से 5.5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। इंदौर, उज्जैन, रतलाम में पारा 30 डिग्री दर्ज किया गया। दूसरी ओर, सीधी, रीवा, खजुराहो, नरसिंहपुर, नौगांव, सतना, मलाजखंड में पारा 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।

महाकालः आईडी ब्लॉक कर बेचते थे भस्म आरती की परमिशन

एडीएम तक की आईडी ब्लॉक की, 1300 की जगह 2000 भक्तों को मिलती थी एंट्री

उज्जैन। महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं से रुपए लेकर अवैध तरीके से दर्शन कराने के मामले में पुलिस ने अब तक 13 लोगों को आरोपी बनाया है। इसमें मंदिर के कर्मचारी से लेकर आउटसोर्स कर्मचारी और मीडिया कर्मी भी शामिल हैं।

पुलिस जांच में पता चला है कि मंदिर के कर्मचारी अवैध रूप से दर्शन कराने के साथ-साथ भस्म आरती की परमिशन में भी बड़ा खेल करते थे। रुपए कमाने के लालच में आईटी शाखा में पदस्थ कर्मचारी समय खत्म होने के बाद भी मंदिर की आईडी से भस्म आरती की परमिशन बनवा लेते थे। वहीं, एडीएम की आइडी ब्लॉक कर देते थे।

सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी में पता चला कि महाकाल मंदिर के आईटी शाखा के प्रमुख राजकुमार सिंह और जिला सत्कार अधिकारी अभिषेक भार्गव ने कई बार भस्म आरती की परमिशन शाम 7 बजे के बाद भी मंदिर की आईडी से बनवाई। जबकि शाम 7 बजे बाद मंदिर की आईडी को ब्लॉक कर दिया जाता था। इसी तरह ये खेल एडीएम के आईडी से भी हुआ। जबकि एडीएम की आईडी भी शाम सात बजे बंद हो जाती थी। रात को सिर्फ कलेक्टर की आईडी खुली होती थी।

एडीएम को आईडी ब्लॉक कर होता था खेल

भस्म आरती के नाम पर रुपए उगाने का खेल भस्म आरती के लिए मंदिर और एडीएम को दी गई लॉग इन आईडी से होता था। शाम सात बजे के बाद मंदिर से भस्म आरती परमिशन बनाने पर प्रतिबंध था। मंदिर की आईडी से दर्शनर्थियों की संख्या फुल हो जाती थी तो एडीएम को मिली 120 सीटों से खेल शुरू होता था। इस दौरान एडीएम की आईडी को ब्लॉक कर और मंदिर की आईडी को बढ़ाकर रात 10 बजे तक 100 से अधिक भस्म आरती की परमिशन बनाई जाती थी।

लोकायुक्त ने परिवहन आयुक्त के खिलाफ मांगी थी रिपोर्ट, भ्रष्टाचार की शिकायत की थी

भोपाल। परिवहन आयुक्त डीपी गुप्ता को हटाए जाने के बाद अब उनके विरुद्ध लोकायुक्त संगठन द्वारा राज्य शासन को लिखी गई चिटठी सामने आई है। इस पत्र में गुप्ता के विरुद्ध करप्शन की शिकायत के मामले में लोकायुक्त पुलिस संगठन ने शासन से जांच कर प्रतिवेदन मांगा था।

लोकायुक्त संगठन ने प्रमुख सचिव परिवहन विभाग को 28 नवम्बर 2024 को पत्र लिखकर परिवहन आयुक्त के खिलाफ दो पेज में की गई शिकायत की जांच रिपोर्ट मांगी थी। इस पत्र के वायरल होने के बाद कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने मोहन सरकार पर निशाना साधा है। मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, ईमानदारी की ऐसी कई प्रतिमूर्तियां भाजपा की 18 साल की सरकार में रही हैं। उन्होंने अपने-अपने आराध्यों की आर्थिक आराधना कर उनके प्रति जो सेवाधर्म समर्पित किया, आज उसका प्रतिफल सभी के सामने आ रहा है।

मिश्रा ने लिखा,आयकर विभाग ने मप्र के पूर्व (ई) मानदार कहे जाने वाले मुख्य सचिव के अत्यंत करीबी बिल्डर और उनकी पत्नी की करीब 100 करोड़ रुपए की बेनामी संपत्ति अटैच की है। दूसरी ओर लोकायुक्त भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर पूर्व ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को नोटिस भेजकर जवाब मांगा?

अब एक और चर्चित ईमानदार पूर्व ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ईमानदारी से कमाई गई करोड़ों रुपए की अकूत चल-अचल संपत्ति का एक बड़ा अंश प्रदेश की व्यवसायिक राजधानी इंदौर में भूमि व्यवसाय, कॉलोनी में खर्च रहे हैं। उनके यशस्वी पुत्र इस कारोबार का लेखा-जोखा रख रहे हैं। मिश्रा ने त्तश्स्न्न द्वह्य द्दद्धड्डह्ल लिखते हुए ट्वीट के जरिए कहा है कि प्रदेश अब 5 लाख करोड़ के कर्ज के नजदीक पहुंच रहा है और ये भ्रष्टाचारी धनकुबेर..।

गणतंत्र दिवस की परेड की रिहर्सल करते जवान।

चने की फसल पर इल्ली का प्रकोप, ठंड का भी नहीं असर

सागर। रबी सीजन की फसल पर कीटों का प्रकोप बढने लगा है और फसल को बचाने के लिए किसानों ने दवाओं का छिड़काव शुरू कर दिया है। साथ ही उगरा रोग भी चना, मसूर में लग रहा है, जिससे फसल सूख रही है। चना की फसल को इल्ली चट कर रही है। कड़ाके की ठंड पडने के बाद भी इल्ली पर असर नहीं हो रहा है, इसलिए किसान बाजार से दवाएं खरीदकर छिड़काव कर

रहे हैं। कृषि विभाग में कीटनाशक दवा न आने से किसान बाजार से ही महंगे दामों पर दवा खरीदते हैं और दुकानदार के बताए अनुसार छिड़काव कर देते हैं, जिससे कई बार इल्ली पर असर नहीं होता है। वहीं, मसूर और चना की फसल में उगरा रोग भी लग रहा है, जिससे फसल सूख रही है, इसकी रोकथाम के लिए किसानों के पास कोई उपाय भी नहीं है। किसान सुजान लोधी ने बताया कि चना फसल में इल्ली का प्रकोप बढ़ रहा है। रात के समय कड़ाके की ठंड भी पड़ रही है, लेकिन उससे भी इल्ली कम नहीं हो रही है।

दमोह में अवैध हथियार फैक्ट्री पर छापा, 10 देसी कट्टे, दो-दो रिवॉल्वर और पिस्टल जब्त

दमोह। दमोह के कोतवाली क्षेत्र के चैनपुरा मोहल्ले में पुलिस ने शुक्रवार सुबह एक अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 14 हथियार जब्त किए गए। शुक्रवार शाम पुलिस कंट्रोल रूम में एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने इस अवैध कारोबार का खुलासा किया।

सीएसपी अभिषेक तिवारी ने बताया कि कई दिनों से चैनपुरा क्षेत्र में अवैध हथियार बनाने की सूचना मिल रही थी, लेकिन स्थान का पता नहीं चल पा रहा था। इसके बाद पुलिस ने मुखबिर तंत्र को मजबूत किया। कुछ ही दिनों में फैक्ट्री का सही स्थान पता चल गया।

हथियार बनाने की मशीनरी भी जब्त- पुलिस ने कोतवाली टीआई आनंद राज के नेतृत्व में दबिश दी। फैक्ट्री से 10 देसी कट्टे, दो रिवॉल्वर, दो पिस्टल, और हथियार बनाने के संसाधन व मशीनरी जब्त की गई। मौके से तीन आरोपी पकड़े गए। इनमें चैनपुरा निवासी भरत पिता कैलाश बंसल, जबलपुर नाका निवासी परमसुख पिता रामदीन रैकवार, और हिंडोरिया के आंवरी गांव निवासी भूरा और रजनीकांत पिता रमेश विश्वकर्मा शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से शाम को जेल भेज दिया गया।

पीथमपुर में रामकी फैक्ट्री पर पथराव, गाड़ियों के कांच फोड़े

- **पुलिस ने तारपुरा गांव में उपद्रवियों को खदेड़ा; एसडीएम बोले-अफवाह से मचा बवाल**

पीथमपुर। पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के जहरीले कचरे के निष्पादन का विरोध शनिवार को तीसरे दिन भी जारी है। आज सुबह करीब 10 बजे तारपुरा गांव से लगी रामकी एनवायरो इंडस्ट्रीज की फैक्ट्री पर पथराव किया गया। इसमें कुछ वाहनों के कांच टूट गए। इसके बाद पुलिस ने लोगों को फैक्ट्री के पास से खदेड़ा।

मौके पर तैनात एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर ने बताया- पथराव की वजह एक अफवाह को बताया जा रहा है। ये अफवाह फैलाई गई थी कि भोपाल से आए कंटेनरों को खोलकर यहां कचरा अनलोड किया जा रहा है। यह भी कहा

गया कि अनलोडिंग में एक मजदूर घायल हुआ है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ है। कोई कंटेनर नहीं खोला गया है। मैंने खुद सभी कंटेनरों को चेक किया है।

उन्होंने कहा कि इलाके में पूरी तरह शांति है। स्थिति हमारे नियंत्रण में है। फैक्ट्री परिसर और इसके 100 मीटर दायरे में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। इसका उल्लंघन करने वाले पर कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि आज दोपहर दो बजे एसीएस राजेश राजौरा पीथमपुर जाने वाले हैं। वे यहां जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। पीथमपुर में शुक्रवार को बंद के दौरान हुए प्रदर्शन के सिलसिले में पुलिस ने तीन मुकदमे दर्ज किए हैं। बरदरी चौराहा, सवारियां मंदिर और आजाद चौराहे पर चक्काजाम करने वाले अज्ञात आरोपियों के खिलाफ 383, 341,149, 147 धाराओं के तहत स्नद्बक्रक्की गई हैं।

यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन के संबंध में वस्तुस्थिति

प्रस्तावना

- वर्ष-2004 में माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में जनहित याचिका क्रमांक 2802/2004 श्री आलोक प्रताप सिंह विरूद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य प्रस्तुत कर उच्च न्यायालय से मांग की गयी कि यूनियन कार्बाइड कार्पोरेशन इंडिया लिमिटेड भोपाल परिसर (यूसीआईएल) में संग्रहित रासायनिक अपशिष्ट पदार्थों का विनिष्टीकरण किया जाये एवं उस पर होने वाले व्यय कि प्रतिपूर्ति यूनियन कार्बाइड कार्पोरेशन (यूसीसी)/ डॉउ केमिकल से किया जाये।
- यूनियन कार्बाइड कार्पोरेशन लिमिटेड भोपाल परिसर (यूसीआईएल) में बिखरे रासायनिक पदार्थों को जून-2005 में एकत्रित कर एक सुरक्षित शेड में मध्यप्रदेश प्रदूषण निवारण बोर्ड की सुपरविजन में रखा गया।
- माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर द्वारा दिनांक 16/12/2008 को आदेश पारित कर निर्देश दिये गये कि विनिष्टीकरण की कार्यवाही राज्य शासन द्वारा समय सीमा 06 सप्ताह मे सुनिश्चित की जाये यदि कोई किसी प्रकार व्यवधान पैदा करता है तो अवमानना संबंधी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। गैस राहत विभाग एवं मध्यप्रदेश प्रदूषण निवारण मण्डल भोपाल द्वारा सीपीसीबी की गाइडलाइन का पालन करते हुए जून-2008 में लाइम स्लज 39.6 एमटी. को सीपीसीबी की गाइडलाइन अनुसार सफलतापूर्वक लैंडफिल टीएसडीएफ, पीथमपुर जिला-धार में किया गया।

समय-समय पर कोर्ट द्वारा दिये गये निर्देश

- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा दिनांक 4/3/2013 को निर्देश दिये गये -10 मेट्रिक टन हिन्दुस्तान इन्सेक्टीसाइड लिमिटेड प्लांट केरल राज्य में कोचिन से परिवहन कर टीएसडीएफ की पीथमपुर में ट्रायल रन की जाए-केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 2013 में सफलतापूर्वक ट्रायल किया गया।
- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा दिनांक 17/4/2014को निर्देश दिये गये -10 मेट्रिक टन यूनियन कार्बाइड टीएसडीएफ की पीथमपुर में ट्रायल रन की जाए -केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 2015 में सफलतापूर्वक ट्रायल किया गया।
- माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर दिनांक 3/12/2024 के आदेश में राज्य शासन एवं राज्य प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड को केमिकल वेस्ट यूनियन कार्बाइड स्थल से पूर्व निर्धारित स्थल पर 4 सप्ताह के भीतर सुरक्षित परिवहन करने के निर्देश दिए गए।

विभाग द्वारा की गई कार्यवाही

- केन्द्रीय प्रदूषण निवारण मण्डल नई दिल्ली द्वारा शेष बचे 337 मेट्रिक टन रासायनिक यूसीआईएल वेस्ट के विनिष्टीकरण हेतु RFP दिनांक 04/12/2017 को तैयार कर सचिव, भारत सरकार, रसायन एवं पेट्रोरसायन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक दिनांक 05/12/2017 को राज्य शासन को उपलब्ध कराया गया है।
- केन्द्रीय प्रदूषण निवारण मण्डल से प्राप्त RFP का परीक्षण कर निविदा जारी करने हेतु निविदा प्रपत्र तैयार कर उक्त कार्य हेतु संचालक गैस राहत एवं पुनर्वास की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय समिति का गठन किया गया।
- निविदा दिनांक 23/09/2021 को प्रकाशित की गयी जिसमें दो निविदाकारों मेसर्स पीथमपुर इण्डस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट प्राईवेट लिमिटेड, पीथमपुर जिला-धार म.प्र. एवं मेसर्स सेन्चुरी ईको सोल्यूशन प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलुरु, कर्नाटक द्वारा निविदा प्रस्तुत की गयी। इस कार्य के लिए पीथमपुर कम्पनी की निविदा उपयुक्त पाई गई।
- भोपाल में लगभग 358 टन यूनियन कार्बाइड का कचरा निकला है। इसमें 60% से ज्यादा केवल स्थानीय मिट्टी है एवं लगभग 40% सेवन नेपथॉल, रिएक्टररेसीड्यूस और समी प्रोसेस पेस्टीसाइड्स का अपशिष्ट है। सेवन नेपथॉल रेसीड्यूस मूलतः मिथाइल आइसो साइनेट एवं कीटनाशकों के बनने की प्रक्रिया का सह-उत्पाद होता है। इसका जहरीलापन 25 साल में लगभग पूर्त: समाप्त हो जाता है। अत: इसलिए स्पष्ट है कि चूकि घटना को 40 साल व्यतीत हो चुके हैं, इसलिए बचे हुए कचरे में कोई हानिकारक तत्व नहीं है।
- कचरे की निपटान की प्रक्रिया का गहन परीक्षण किया गया होगा। भारत सरकार की विभन्न संस्थाए जैसे- नीरी (नेशनल इन् वॉयरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीटयूट), नागपुर, NGRI (नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीटयूट) हैदराबाद, IICT (इंडीयन इंडीयन इंस्टीटयूट ऑफ केमीकल टेक्नोलॉजी) तथा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा समय-समय पर किए गए अध्ययन तथा माननीय सवोच्च न्यायालय को प्रस्तुत प्रतिवेदनों के आधार माननीय सवोच्च न्यायालय द्वारा भारत सरकार पर्यावरण मंत्रालय को माचा, 2013 में निर्देश दिए गए कि केरल राज्य में कोच्चि स्थित हिन्दुस्तान इनसेक्टीसाइड लिमिटेड, कोच्चि के 10 टन यूनिय कार्बाइट के समान कचरे का परिवहन कर पीथमपुर स्थित TSDF में ट्रायल रन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निगरानी में किया जाए। उक्तानुसार सफलतापूर्वक ट्रायल रन किया जाकर सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।
- सवोच्च न्यायालय द्वारा उक्त प्रतिवेदन के निष्कर्षों के आधार पर अप्रैल, 2014 यूसीआईएल कचरे का 10 मीट्रिक टन ट्रायल रन भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की निगरानी में टीएसडीए पीथमपुर मे किया जाये उक्त कार्य की विडियोग्राफी किया जाना सुनिश्चित किया जावे तथा उसके विश्लेषण निष्कर्ष को शपथपत्र के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत किया जाये।
- अगस्त, 2015 में ट्रायल रन सफलतापूर्वक किया जाकर केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रोयोगिक निपटान की समस्त माननीय उच्चतम न्यायालय प्रस्तुत की गई। इन समस्त रिपोर्ट में ये स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया कि इस प्रकार के कचरे के निपटान से वातावरण कोई नुकसान होना स्पष्ट नहीं हुआ है। उसके पश्चात माननीय उच्चतम न्यायालय ने सभी रिपोर्ट के गहन परीक्षण के पश्चात ही कार्यवाही को आगे बढ़ाने एवं उन्हे नष्ट करने लिये निर्देशित किया।
- ये जानकारी होने के बाद मुख्य सचिव द्वारा विस्तुत रूप से तीन बिंदुओं पर जांच कराई- 1. आसपास के गांव में स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण 2. फसल की उत्पादकता पर प्रभाव 3. क्षेत्रीय जल स्त्रोंतो की गुणवत्ता का परीक्षण कराया गया और तीनों विधाओं में यह पाया गया कि इसके परिणाम नगण्य के बराबर है तथा कोई भी नकारत्मक परिणाम परिलक्षित नहीं हुए है।
- कचरे की निपटान की प्रक्रिया की सतत निगरानी की जायेगी तथा सभी टीमें जैसे- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियत्रण बोर्ड उपलब्ध रहेगे तथा इनकी रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत की जायेगी।

जनता से संवाद के दौरान उठे प्रश्नों के बारे में तथ्य

प्र. कचरे के निष्पादन से जलस्त्रोतों का प्रदूषित होना?

उत्तर: नीरी से जनवरी 2023 में जलस्त्रोतों की विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त, जिसके पृष्ठ क्रमांक 37-38 में प्री-मानसून तथा पोस्ट-मानसून में जनस्त्रोतों का 11 बिन्दुओं पर परीक्षण उपलब्ध – सभी पैरामीटर सामान्य पाए गए।

मुख्य तत्व की जानकारी प्री मानसून - पारा – 0.0004 PPM (मानक स्तर 0.001 PPM)

पोस्ट मानसून - पारा – 0.0002 PPM (मानक स्तर 0.001 PPM)।

प्र. कुछ विशिष्ठ गैसों जैसे डाइओक्सिन एंड फ्यूरोन तथा भारी धातुओं का परीक्षण वायु में नहीं किया गया ?

अगस्त 2015 की रिपोर्ट अनुसार चिमनी से निकलने वाले धुएं की परीक्षण रिपोर्ट

क्रमांक	पैरामीटर	परिणाम (अधिकतम)	मानक (Standard)
1	Particulate Matter mg/Nm3	5.1	50
2	Hydrogen Chloride mg/Nm3	<1	50
3	Sulphur dioxide mg/Nm3	<1	200
4	Carbon Monoxide mg/Nm3	35.7	100
5	Total organic Carbon mg/Nm3	8.9	20
6	Carbon Dioxide mg/Nm3	8.1	>7
7	Hydrogen Fluoride mg/Nm3	<1	4
8	Oxides of Nitrogen mg/Nm3	66.5	400
9	Dioxins & Furans in Nanogram TEQ/Nm3	0.041	0.10
10	Cd + Tl + their compounds mg/Nm3	0.007	0.05
11	Mercury and its compounds mg/Nm3	0.007	0.05
12	Sb+As+Pb+Co+Cr+Cu+Mn+Ni+V+their compounds mg/Nm3	0.495	0.5
13	Loss on ignition in slag and bottom ash in %	1.77	<5
14	TOC of slag and bottom ash in %	0.058	<3

प्र. कचरा निष्पादन के दौरान वायु गुणवत्ता रिपोर्ट की उपलब्धता?

उत्तर: सभी रिपोर्ट्स को सोशल मीडिया, डिस्प्ले तथा वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा।

प्र. कचरा निष्पादन की प्रक्रिया शीतकाल में ही क्यों?

उत्तर: कचना निष्पादन की प्रक्रिया हर मौसम में मानकों के आधार पर चलाई जाएगी। यदि किसी भी मौसम में मानकों से अधिक कोई तत्व पाया जाता है, तो प्रक्रिया में परिवर्तन किया जाएगा।

प्र. 2013 तथा 2015 के पश्चात् क्या स्वास्थ्य संबंधी अध्ययन किए गए?

उत्तर: जब समस्त रिपोर्ट के सभी पैरामीटर मानक सीमा के अंदर थे तो इसकी पृथक से आवश्यकता नहीं थी। अभी हाल ही में मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य संबंधी रिपोर्ट प्राप्त की है। 12 ग्रामों में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, स्थिति सामान्य पाई गई।

प्र. यदि कचरा निष्पादन के दौरान कोई दुर्घटना हुई तो शासन का क्या रेस्पोस होगा?

उत्तर: कचरे का निष्पादन कोई एक दिन की प्रक्रिया नहीं है तथा इससे निकलने वाली समस्त गैसों का मापन किया जाएगा। किसी भी प्रकार का कोई डेविएशन होने की स्थिति में जनता का हित सर्वोपरि होगा।

प्र. कचरा निष्पादन में इमरजेंसी रेस्पोंस के बिन्दु निम्न हैं :-

उत्तर : जब इंसीनेटर का तापमान तेजी से बढ़ता है, तो PLC शट-डाउन का प्रावधान है।

Offsite & Onsite रेस्पोंस प्लान बनाया गया है।

प्र. दुर्घटना होने पर पीथमपुर में चिकित्सा सेवाओं का अभाव?

उत्तर : भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा ESIC योजना के अधीन चिकित्सालय स्वीकृत। जिसका भूमिपूजन माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया जा चुका है।

प्र. कचरे का निष्पादन पीथमपुर में ही क्यों?

उत्तर : माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा SLP 9874/2012 के आदेश दिनांक 04/03/2013 एवं 17/04/2014 में ट्रायल रन के निर्देश दिए गए एवं सफल ट्रायल किया गया। मध्यप्रदेश में Hazardous Waste Disposal Facility सिर्फ पीथमपुर में उपलब्ध है। इसलिए वीरान जगह पर भी कचरे का निष्पादन नहीं किया जा सकता।

प्र. भविष्य की पीढियां कैंसर जैसी बीमारियों से ग्रसित होंगी?

उत्तर : संपूर्ण कचरा निष्पादन में वायु गुणवत्ता का परीक्षण किया जाएगा अत: इसकी संभावना नगण्य है।

जनता से अपील

D-11143/24

"हमारी सरकार ने पीथमपुर घटना के बारे में संज्ञान लिया है। हमारी सरकार जनकल्याणकारी, जनहितैषी तथा जनभावनाओं का आदर करती है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में यूनियन कार्बाइड के कचरे का परिवहन पीथमपुर में किया गया है। जनभावनाओं का आदर करते हुए माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष समस्त परिस्थितियों एवं व्यावहारिक कठिनाइयों से अवगत कराया जाएगा। मैं जनता से अपील करता हूं कि किसी भी अफवाह या भ्रम की खबरों पर विश्वास नहीं करें। मैं और मेरी सरकार आपके साथ है।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग, मध्यप्रदेश